संकल्प

मई-जून 2023 | वर्ष-20 | अंक - 03

छततीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी हसदेव ताप विद्युत गृह की नवी
ताप विद्युत परियोजना 2x660 सेगावॉट कोरबा (पश्चिम)
''स्वर्गीय बिसाहू दास महंत'' स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा के भवन का शिलान्

शिलान्यास एवं लो

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2023 | वर्ष-20 | अंक - 03

संरक्षक

श्री अंकित आनंद (IAS)
अध्यक्ष

श्रीमती उज्जवला बघेल
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन)

श्री मनोज खरे
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन)

श्री एस. के. कटियार
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन)

संपादक

गोविंद पटेल
प्रबंधक (जनसंपर्क)

सह संपादक : अनामिका मण्डावी

छाया : संजय टेम्बे, सहयोग : प्रसन्न कुमार दुबे

▪ फोन: 0771-2574702 ▪ E-mail: procsphcl@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी

विद्युत प्रगति पटल

	नवम्बर 2000	मई 2023
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.7 मेगावॉट
कुल ताप , जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2978.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	.....	1618.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	131 नग
अति उच्चदाब लाइन की लंबाई	5205 सर्किट किमी	13,820 सर्किट किमी
33/11 केव्ही उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1356 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	24,443 सर्किट किमी
11/04 केव्ही उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,18,384 नग
11 केव्ही लाईनों की लम्बाई	40,556 किमी	1,30,150 किमी
निम्नदाब लाइनों की लम्बाई	51,314 किमी	2,25,075 किमी
निम्नदाब उपभोक्ताओं की संख्या	18,90,998	61,60,7772
उच्चदाब उपभोक्ताओं की संख्या	530	3,641
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (स्थायी)	73,369	5,17,564

ट्रांसमिशन कंपनी का 400 केवी उपकेंद्र, जगदलपुर (बस्तर)

1320 मेगावॉट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की आधारशिला रखी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने

रायपुर | माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के सबसे बड़े बिजली संयंत्र 1320 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के नाम पर इस संयंत्र का नामकरण करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जनरेशन कंपनी ने सारी प्रक्रिया तेजी से की है, कोयले का आबंटन मिल चुका है। पर्यावरण मंत्रालय से टर्म आफ रिफरेंस प्राप्त हो चुका है। इसे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 29 जुलाई को कोरबा में 12 हजार 915 करोड़ रूपए के लागत से बनने वाले छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी हसदेव ताप विद्युत गृह की नवीन सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना कोरबा (पश्चिम) आधारशिला रखी।

उन्होंने समारोह में कहा कि कोरबा, ऊर्जा की राजधानी है। प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू ने वर्ष 1957 में यहां बिजली प्लांट की शुरूआत की थी। उन्होंने जिलेवासियों को अब तक के सबसे बड़े 1320 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोरबा जिले में स्थापित होने वाले नवीन सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना 2 × 660 मेगावॉट का नामकरण देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के नाम पर रखने की मांग आई है। चूंकि स्व. श्री राजीव गांधी संचार क्रांति के प्रणेता थे, पंचायती राज का सपना देखने वाले थे और देश को 21वीं सदी में ले जाना चाहते थे, इसलिए नवीन प्लांट का नाम ऐसे महान विभूति के नाम पर करने की घोषणा करता हूं।

श्री बघेल ने आगे कहा कि यहां संयंत्र स्थापित करने के लिए पर्यावरण विभाग की अनुमति और कोयले की अनुमति मिल चुकी है। सारी प्रक्रिया बहुत तेजी से हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 तक इसे शुरू कर लेंगे, ऐसा विश्वास है।

श्री बघेल ने कहा कि बिजली की खपत प्रति व्यक्ति सबसे ऊपर है, देश में सबसे ज्यादा है। राज्य में 42 लाख परिवार को आधा रेट में 400 यूनिट तक बिजली दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों को 12357 करोड़ की सब्सिडी उपलब्ध कराई है। बिजली विभाग इस मामले में लगातार समर्पित है। अब बिजली उत्पादन बढ़कर 4300 मेगावाट हो जाएगी। साथ ही हम सोलर उर्जा पर भी काम कर रहे हैं, पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजना पर भी काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सोलर ऊर्जा से पंप स्टोरेज तकनीक से 7700 मेगावाट के पांच संयंत्र लगाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। बिजली व्यवस्था को लेकर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोर बिजली एप के नए वर्जन से आप लाइन में फाल्ट आने, बिजली कटने, खराब होने की शिकायत भी कर सकते हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि विकास के काम पूरे हो रहे है। आज पांवर प्लांट का भूमिपूजन हुआ है। क्रिटिकल पॉवर प्लांट से प्रदूषण कम होगा। आने वाले दिनों कोयले से नहीं बल्कि पानी से बिजली बनाई जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि एक ही जिले को 13 हजार करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है, जो अन्य किसी जिले को एक ही दिन में नहीं मिली है। मुख्यमंत्री के कामों ने पूरे देश में छत्तीसगढ़ को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सहित जिलेवासियों को बिजली संयंत्र के लिए बधाई दी। श्री महंत ने नये बिजली संयंत्र को पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी के नाम पर करने की माँग भी की।

ऊर्जा सचिव व पावर कंपनी के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने कहा कि भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए कोरबा में 660-660 मेगावाट की दो नई इकाइयों की स्थापना की जा रही है।

1320 मेगावाट का यह सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन प्रदेश का सबसे बड़ा और आधुनिक संयंत्र होगा। इससे एक ओर प्रदेश बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर होंगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इससे पूर्व कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने स्वागत भाषण के माध्यम से जिले में विकास कार्यों की जानकारी दी। समारोह में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव डहरिया, राजस्व मंत्री श्री जय सिंह अग्रवाल, सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, श्री दीपक बैज, विधायक श्री मोहित राम, श्री पुरूषोत्तम कंवर, श्री ननकीराम कंवर, महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार विशेष रूप से उपस्थित थे।

साढ़े चार साल में तेजी से बढ़ी बिजली की डिमांड- मुख्यमंत्री श्री बघेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में जेई के 307 एवं डीईओ के 400 पदों पर हुई भर्ती

रायपुर | माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य शासन का यह प्रयास है कि विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर तेजी से भर्तियां हों। युवाओं को शासकीय सेवा में काम करने का अवसर मिले। कोर्ट के आदेश के बाद छत्तीसगढ़ में शासकीय नौकरियों में भर्ती का सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है। विभिन्न विभागों द्वारा नई भर्ती के लिए लगातार विज्ञापन जारी किए जा रहे हैं, इसी प्रकार जहां चयन प्रक्रिया पूरी हो गई, वहां नियुक्ति आदेश जारी किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने 8 मई को अपने निवास कार्यालय परिसर में आयोजित आभार कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। लम्बे इंतजार के बाद नियुक्ति आदेश जारी होने से उत्साहित ऊर्जा विभाग में नवनियुक्त जूनियर इंजीनियरों द्वारा मुख्यमंत्री श्री बघेल के प्रति आभार प्रकट करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री नंद कुमार साय, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री विनोद वर्मा, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री अनबलगन पी. भी उपस्थित थे।

प्रदेश के ऊर्जा परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में बिजली की डिमांड 4100 मेगावॉट से बढ़कर 5800 मेगावॉट हो गई है। खेती-किसानी, उद्योग, घरेलू क्षेत्र में बिजली की खपत बढ़ रही है। ऐसे में ऊर्जा विभाग के नये चयनित जूनियर इंजीनियरों पर गुणवत्तापूर्ण बिजली की लगातार आपूर्ति बनाए रखने, गुणवत्ता के साथ बिजली अधोसंरचना के विस्तार की जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती उज्जवला बघेल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पावर कम्पनियों ने जूनियर इंजीनियरों के 307 पदों तथा डाटा एंट्री ऑपरेटरों के 400 पदों में भर्ती के लिए जनवरी 2022 में परीक्षा आयोजित की गई थी। अगस्त 2022 में 276 जूनियर इंजीनियरों की नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए थे। कोर्ट के आदेश के बाद 31 जूनियर इंजीनियरों के नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। इसके पश्चात् पॉवर कंपनी के डगनिया मुख्यालय स्थित सेवाभवन में जूनियर इंजीनियरों को प्रबंध निदेशकों के हाथों नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसमें प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल, श्री मनोज खरे एवं श्री संजीव कुमार कटियार तथा निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा ने 23 नवनियुक्त जूनियर इंजीनियरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इसके पश्चात् छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 30 जून को डाटा एंट्री आपरेटर के 288 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर आदेश जारी किया। इसमें डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 238 एवं ट्रांसमिशन कंपनी के 50 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

उपमुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने ली ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक

हाफ बिजली बिल योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

रायपुर | उपमुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव ने ऊर्जा विभाग का कार्यभार संभालने के बाद 17 जुलाई को न्यू सर्किट हाऊस में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने प्रदेश में विद्युत उत्पादन और आपूर्ति की जानकारी ली और भविष्य की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उत्पादन, पारेषण और वितरण की क्षमता बढ़ाने की दिशा में योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आ रही नई तकनीक को अपनाते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की दिशा में काम करने पर जोर दिया। श्री सिंहदेव ने साप्ताहिक एवं पाक्षिक बैठकें लेकर प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाफ बिजली बिल योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में ऊर्जा विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज, क्रेडा, राज्य विद्युत निरीक्षालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में ऊर्जा सचिव एवं पॉवर कंपनी के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने सभी अधिकारियों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया। उन्होंने ट्रांसमिशन और जनरेशन कंपनी की वित्तीय स्थिति बेहतर होने पर खुशी जताई और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि बिजली बिल हाफ योजना से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कोरबा में प्रस्तावित 1320 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट के बारे में जानकारी ली। साथ ही पानी का कई बार उपयोग करके पंप स्टोरेज तकनीक से विद्युत उत्पादन की संभावनाओं पर काम करने के निर्देश दिये। उपमुख्यमंत्री श्री सिंहदेव ने कहा कि लाइन लास पहले की तुलना में काफी कम हुआ है। इसे और कम किया जाए ताकि इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यदि किसी उपभोक्ता को अधिक बिल दे दिया जाता है, तो उसकी जाँच करने की व्यवस्था करें। इसका ध्यान रखें कि ऐसी मुस्तैदी के बिलिंग की जाए कि इस तरह की शिकायतें न आए। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल, पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 62 लाख उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इस साल अधिकतम मांग 5869 मेगावाट अप्रैल में थी, जिसकी आपूर्ति बिना किसी कटौती के राज्य के भीतर उत्पादित बिजली से की गई। जनरेशन कंपनी ने देश में सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन के मामले में पहला स्थान हासिल किया है। इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 85.71 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर के साथ विद्युत उत्पादन किया है।

बैठक में पॉवर कंपनी के निदेशक श्री केएस रामाकृष्णा, कार्यपालक निदेशक सर्वश्री भीम सिंह कंवर, आरए पाठक, उपसचिव ऊर्जा मनोज कोशले तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवसृजित ईडी (ट्रांसमिशन) कार्यालय का एमडी श्रीमती बघेल ने किया शुभारंभ

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल ने कहा कि प्रदेश में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में पारेषण लाइनों और उच्च क्षमता के उपकेन्द्रों की भूमिका अहम होती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी राज्य की पारेषण तंत्र को सुचारू बनाए रखने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय समेत अन्य कार्यालयों के माध्यम से कार्य कर रही है। ऐसे में इन सभी कार्यालयों के बीच बेहतर समन्वय के उदेश्य से नए कार्यालय का सृजन किया गया है।

श्रीमती बघेल 2 मई को कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) के नए कार्यालय भवन के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि आज विकास की तेज गति को देखते हुए उत्पादन के साथ ही पारेषण क्षमता में वृद्धि तथा उसके संचालन में कसावट की जरूरत बढ़ी है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर इस कार्यालय का सृजन किया गया है। उन्होंने नए कार्यालय में पदस्थ अधिकारी- कर्मचारियों को बधाई दीं। इससे पहले कार्यपालक निदेशक (पारेषण) श्री डीके चावड़ा ने मुख्य अतिथि श्रीमती उज्जवला बघेल का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि ईडी (ट्रांसमिशन) कार्यालय मुख्य रूप से प्रदेश भर के ट्रांसमिशन कार्यालयों के बीच समन्वय के साथ ही उपकेन्द्रों के स्वचालन हेतु कंट्रोल रूम स्थापना एवं संचालन, सेन्ट्रल एजेंसियों के बीच समन्वय, लोड डिस्पेच सेंटरों के बीच समन्वय के साथ ही केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय आदि के बीच कंपनी की योजनाओं पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुतिकरण हेतु इस कार्यालय को कार्य सौंपे गए हैं।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एमएस चौहान, संदीप मोदी, संजय पटेल, आरके शुक्ला, मुख्य अभियंता सर्वश्री अशोक कुमार वर्मा, केके भौरासे, केके भगत, राजेश अग्रवाल, जी आनंद राव, श्रीमती कल्पना घाटे समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे।

पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना (CSPCHS)

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा 15 अप्रैल 2023 को की गई घोषणा के परिपालन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू कर दी है। इसे कर्मचारियों के लिहाज से बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के स्थान पर क्रियान्वयन सहायता एजेन्सी (Implementation Support Agency) मॉडल के तहत करने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना (CSPCHS)से प्रदेशभर के लगभग 13 हजार नियमित और 15 हजार पेंशनर्स के साथ उनके परिवार के लगभग 90 हजार सदस्यों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस संबंध में 27 जुलाई को परिपत्र जारी कर दिया गया है।

(1) हितग्राही (Beneficiary)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, ट्रांसमिशन कंपनी तथा जनरेशन कंपनी के नियमित विद्युत कर्मी, पुरानी/नई पेंशन योजना में शामिल पेंशनर्स तथा परिवार की परिभाषा के अनुसार, उन (नियमित विद्युत कर्मी/पेंशनर) पर आश्रित परिवार के योग्य सदस्य, पात्र हितग्राही होंगे।

(2) क्रियान्वयन सहायता एजेन्सी मॉडल - (Implementation Support Agency)

इस मॉडल के तहत पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा ऐसी अनुभवी कंपनी को नियुक्त किया जायेगा, जो इस योजना के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन में सहायक हो। क्रियान्वयन सहायता एजेन्सी का मुख्य कार्य कैशलेस ईलाज हेतु उनके नेटवर्क अस्पतालों या छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से अनुबंधित अस्पतालों से समन्वय बनाना है। इस एजेंसी के द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हितग्राहियों को योजना के अंतर्गत उपरोक्त सभी ईलाज/जांच की सुविधाएं, नेटवर्क अस्पतालों में कैशलेस प्राप्त हो।

(3) योजना अवधि

योजना प्रारंभ होने की तारीख से एक वर्ष (12 महीने), तत्पश्चात समीक्षा उपरांत यदि आवश्यक हुआ तो बदलाव के साथ भविष्य में एक–एक वर्ष के कालखण्ड में यह योजना लगातार जारी रहेगी।

(4) उपलब्ध चिकित्सा सुविधा -

i.स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत किसी भी बीमारी / दुर्घटना की स्थिति में किसी भी अस्पताल में भर्ती होने पर ईलाज/जांच के लिए होने वाले समस्त खर्च जैसे-डॉक्टर / सर्जन शुल्क, दवाएं, जांच शुल्क, पैथोलॉजी शुल्क, नर्सिंग शुल्क, कमरा/ आईसीयू /आईसीसीयू शुल्क एंबुलेंस इत्यादि।

ii. डे-केयर सर्जरी/प्रक्रियाओं (जिनके लिये सामान्यतः 24 घंटे से कम समय के लिये अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है) आदि के लिए होने वाले समस्त खर्च।

iii.अस्पताल में भर्ती होने से 15 दिन पहले एवं अस्पताल से डिस्चार्ज होने के 30 दिनों पश्चात् के उसी बीमारी (जिसके लिये भर्ती किया गया था) से संबंधित दवाईयां/जांच/ईलाज के मद में होने वाले खर्च शामिल हैं। फिजियोथेरेपी के मामले में,अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद 60 दिनों तक राज्य शासन में पंजीकृत फिजियोथेरेपी प्रेक्टिशनर से फिजियोथैरेपी चिकित्सा लेने पर होने वाले खर्च शामिल है। जहां प्लास्टर के कारण फिजियोथेरेपी को स्थगित कर दिया गया है,ऐसी स्थिति में प्लास्टर हटाने के अगले दिन से 60 दिन तक होने वाले खर्च भी शामिल हैं।

(5) स्वास्थ्य रिस्क कवरेज और हितग्राही का योगदान -

i. **विकल्प (1) -**

रिस्क कवर- रूपये 10 लाख, प्रति वर्ष, प्रति परिवार (फेमिली फ्लोटर) के स्वास्थ्य रिस्क कवर हेतु हितग्राही को वेतन/पेंशन से रूपये 1000/- प्रतिमाह, प्रति परिवार की दर से अंशदान की कटौती हेतु सहमति देनी होगी। हितग्राही के अंशदान की कटौती जिस माह में होगी, उसके अगले माह के पहले दिन से स्वास्थ्य रिस्क कवर प्रारंभ होगा। एनपीएस पेंशनर्स को योजना के वार्षिक कालखंड प्रारंभ होने के दिनांक से कम से कम 15 दिन पूर्व वार्षिक अंशदान 12 हजार रुपए एकमुश्त जमा करना होगा।

ii. **विकल्प (2) -** रूपये 5 लाख, प्रति वर्ष, प्रति परिवार (फेमिली फ्लोटर) के स्वास्थ्य रिस्क कवर हेतु हितग्राही को वेतन/पेंशन से रूपये 500/- प्रतिमाह, प्रति परिवार की दर से अंशदान की कटौती हेतु सहमति देनी होगी। हितग्राही के अंशदान की कटौती जिस माह में होगी, उसके अगले माह के प्रथम दिन से स्वास्थ्य रिस्क कवर चालू होगा।एन.पी.एस. पेंशनर्स को योजना के वार्षिक कालखण्ड प्रारंभ होने के दिनांक से कम से कम 15 दिन पूर्व वार्षिक अंशदान रू. 6000/- एकमुश्त जमा करना होगा।

iii. **विकल्प (3) -** इस विकल्प के तहत अंशदायी स्वास्थ्य योजना से बाहर रहने वाले कर्मी शामिल होंगे जिन्हें पॉवर कंपनी की प्रचलित स्वास्थ्य योजना का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा।

iv. **फेमिली फ्लोटर–** फेमिली फ्लोटर से आशय यह है कि योजना का स्वास्थ्य रिस्क कवर परिवार के सभी सदस्यों के लिए संयुक्त रूप से एक वर्ष की अवधि के लिए होता है। हालांकि नियमित विद्युत कर्मियों के लिए स्वास्थ्य रिस्क कवर की सीमा से अधिक खर्च होने पर ऐसी राशि की प्रतिपूर्ति सीजीएचएस दरों पर किए जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

v. **निवारक स्वास्थ्य जांच (Preventive Health Check -up)**

अ. विकल्प-1 का चयन करने वाले हितग्राहियों (नियमित एवं पेंशनर्स दोनों को) को प्रोत्साहन स्वरूप योजना के प्रत्येक एक वर्ष के कालखण्ड में, एक बार, नेटवर्क अस्पताल (जहां आवश्यक जांच की सुविधा हो) में निवारक स्वास्थ्य जांच (प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप)की सुविधा कैशलेस मिलेगी ।

ब. विकल्प-2 का चयन करने वाले नियमित / पेंशनर्स हितग्राही, इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे।

vi. योजना में स्वास्थ्य रिस्क कवर की सीमा (रू. 5/10 लाख) में बीमारियों के ईलाज/जांच के खर्च, प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के खर्च एवं ऐंबुलेंस के खर्च शामिल हैं। अर्थात् हितग्राही ने विकल्प-1 का चयन किया है और ईलाज/जांच में रू. 7.50 लाख खर्च हो चुका है और प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप में रू. 25,000/- खर्च हो चुका है और अब एयर ऐंबुलेंस पर रू. 6.00 लाख खर्च होता है तो इस योजना के तहत उसे केवल रिस्क कवर की शेष राशि रू. 2.25 लाख तक ही प्रतिपूर्ति की जा सकेगी।

vii. पति/पत्नी यदि पॉवर कंपनी के नियमित अधिकारी/कर्मचारी या पेंशनर हैं तो वे स्वास्थ्य रिस्क कवरेज के विकल्प निम्नानुसार चुन सकते हैं -

(अ) दोनों (पति/पत्नी) अपने-अपने लिये अलग-अलग या एक ही विकल्प,या

(ब) दोनों (पति/पत्नी) में से कोई एक व्यक्ति, कोई एक विकल्प

- संबंधित कर्मियों के वेतन/पेंशन से चुने गये विकल्प के तहत अंशदान की कटौती की जायेगी। ऐसी स्थिति में दोनों कर्मियों के परिवारों को विकल्प के चयन के अनुसार स्वास्थ्य रिस्क कवरेज प्राप्त होगा।

viii. योजना के वार्षिक कालखण्ड प्रारंभ होने के

उपरांत सामान्यतः बीच में किसी भी माह में योजना में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी।

ix.नियमित विद्युत कर्मियों के लिये विभागीय कार्य के दौरान दुर्घटना के मामले में नियंत्रक अधिकारी की अनुशंसा के अधीन नेटवर्क अस्पतालों में ईलाज/जांच की सुविधा, खर्च की बिना ऊपरी सीमा के, कैशलेस प्राप्त होगी। यह खर्च हितग्राही के चयनित विकल्प के अनुसार स्वास्थ्य रिस्क कवरेज से समायोजित नहीं होगा।

(6) चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति (Reimbursement) -

अ. योजना में शामिल हितग्राहियों को अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व एवं डिस्चार्ज होने के पश्चात् ईलाज/जांच, दवाईयां आदि में होने वाले खर्च का भुगतान स्वयं करना होगा तथा ऐसे खर्चों की प्रतिपूर्ति हेतु दावा क्रियान्वयन सहायता एजेन्सी (आईएसए) के माध्यम से किया जायेगा।

ब. यदि योजना में शामिल हितग्राही अपना ईलाज/जांच नेटवर्क अस्पताल के अलावा किसी अन्य अस्पताल में करवाता है, तो होने वाले खर्च का भुगतान स्वयं हितग्राही को करना होगा तथा ऐसे खर्चों की प्रतिपूर्ति हेतु दावा क्रियान्वयन सहायता एजेंसी के माध्यम से किया जायेगा।

स. चिकित्सा खर्चों के दावों की प्रतिपूर्ति चुने गए विकल्पों (रिस्क कव्हर की सीमा) के अनुसार की जायेगी ।

7. योजना में शामिल होना/योजना से बाहर आना/विकल्प में बदलाव

i. यदि हितग्राही ने अगले वार्षिक कालखण्ड प्रारंभ होने से एक माह पूर्व, योजना से बाहर जाने का अनुरोध नहीं किया हो, तो अगले वर्ष के कालखण्ड हेतु स्वास्थ्य रिस्क कवरेज स्वतः ही नवीनीकृत हो जायेगा तथा इसके लिये हितग्राही से पुनः स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होगी और अगले वार्षिक कालखण्ड के लिये चयनित विकल्प के अनुसार अंशदान की कटौती जारी रहेगी।

ii. हितग्राही योजना के प्रत्येक वार्षिक कालखण्ड प्रारंभ होने के एक माह पूर्व योजना में शामिल हो सकते हैं/योजना से बाहर आ सकते हैं/विकल्प में बदलाव कर सकते हैं।

iii. यदि हितग्राही का अकस्मात निधन हो जाता है तो शेष सदस्यों के लिए शेष अवधि के लिए स्वास्थ्य रिस्क कवर बना रहेगा जब तक की निर्धारित मासिक अंशदान प्राप्त होता रहे परंतु यदि योजना में शामिल परिवार में कोई सदस्य शेष ना हो तो ऐसे परिवार के लिए स्वास्थ्य रिस्क कवर वहीं समाप्त हो जाएगा तथा बाकि अवधि के लिए कोई अंशदान नहीं लिया जाएगा।

8. दावा नहीं होने पर बोनस-

जिस एक वर्ष के कालखण्ड में हितग्राही के ईलाज/जांच के मद में (जिसमें निवारक स्वास्थ्य जांच खर्च का भी शामिल है) कोई भी खर्च नहीं किया गया हो तो अगले वर्ष स्वास्थ्य रिस्क कवरेज, मूल स्वास्थ्य रिस्क कवरेज (5 लाख रुपए/10 लाख रुपए, प्रति वर्ष प्रति परिवार) के 5 % प्रतिवर्ष की दर से, अधिकतम 50% की सीमा तक बढ़ सकता है।

9. वार्ड की पात्रता (ward Entitlement)-

i. ऐसे हितग्राही जिन्होंने विकल्प(1) (रुपये 10 लाख रिस्क कवर) का चयन किया है, वे अधिकतम रु. 6000/- प्रति दिन किराया वाले वार्ड/कमरे हेतु पात्र है।

ii. ऐसे हितग्राही जिन्होंने विकल्प(2) (रुपये 5 लाख रिस्क कवर) का चयन किया है, वे अधिकतम रु. 3000/- प्रति दिन किराया वाले वार्ड/कमरे हेतु पात्र है।

iii. सभी हितग्राहियों के लिए आईसीयू/आईसीसीयू के वास्तविक खर्च, बिना किसी सीमा के योजना में शामिल है।

iv. यदि हितग्राही उच्च श्रेणी के निजी (प्राईवेट) वार्ड/कमरे (रू. 3000/रू. 6000 जो लागू है, से अधिक किराये के वार्ड/कमरे) का चयन करता है, तो उसे केवल निजी (प्राईवेट) वार्ड/कमरे के शुल्क की अंतर की राशि का भुगतान स्वयं करना होगा, जो प्रतिपूर्ति योग्य नहीं होगा।

10. कैशलेस स्वास्थ्य योजना अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु-

i. मातृत्व लाभ के अंतर्गत सामान्य प्रसव के लिए अधिकतम रु. 25,000/- तथा सिजेरियन प्रसव के लिए अधिकतम रु. 60,000/- तक का खर्च योजना में शामिल है।

ii. योजना में शामिल अविवाहितों के विवाह उपरांत, उनके जीवन साथी (पति/पत्नी), शादी के दिन से ही योजना में शामिल माने जायेंगे एवं आवश्यतानुसार चिकित्सा सुविधा का लाभ ले सकेंगे। तथापि हितग्राही को हेल्थ कार्ड जारी करने हेतु 15 कार्यदिवसों के अंदर इसकी सूचना

संबंधित नोडल अधिकारी को देनी होगी।

iii. नवजात शिशु जन्म से ही इस योजना में शामिल माने जायेंगे एवं आवश्यतानुसार उन्हें चिकित्सा सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

iv. सभी हितग्राहियों की सभी बीमारियों (जिसमें पूर्व से मौजूद बीमारियाँ भी शामिल होंगी) का ईलाज योजना में शामिल है।

v. उपचार करने वाले नेटवर्क अस्पताल/राज्य पॉवर कंपनी के डॉक्टर की अनुशंसा पर अस्पताल के स्थान पर घर में उपचार की स्थिति में होने वाले खर्च, रूपये 50,000/- प्रति हितग्राही, प्रति वार्षिक कालखण्ड, की सीमा में योजना में शामिल है।

vi. कॉस्मेटिक प्रकृति के उपचारों को छोड़कर, दंत चिकित्सा उपचार योजना में शामिल है।

vii. जन्मजात आंतरिक/बाह्य रोगों, दोषों और विकृतियों का उपचार योजना में शामिल है।

viii. किमोथैरेपी, डायलेसिस, रेडियोथैरेपी, किडनी/लीवर फेलियर, एच.आई.वी. आदि के ईलाज/जांच में होने वाले खर्च योजना में शामिल है।

ix. दुर्घटना की स्थिति में आवश्यक बाह्य कृत्रिम यंत्रों की पूर्ति, फिटिंग एवं सहायक कृत्रिम यंत्र (चश्मा, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग आदि) पर एक बार होने वाले खर्च योजना में शामिल है।

x. यदि एंबुलेंस की सेवा कैशलेस आधार पर नहीं मिल पाती है तो एंबुलेस पर किए गए वास्तविक खर्च प्रत्येक उपयोग के लिए अधिकतम रूपये 10 हजार की सीमा के तहत, प्रतिपूर्ति योग्य है।

xi. अस्पताल द्वारा लिए जाने वाला पंजीयन शुल्क/सेवा शुल्क/अधिभार तथा कंज्युमेबल्स कुल खर्च के 3 प्रतिशत की सीमा में आदि के खर्च भी योजना में शामिल है।

xii. मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा एवं मल्टीफोकल लेंस आदि के खर्च अधिकतम रू. 35000/- प्रति नेत्र की सीमा तक योजना में शामिल है।

xiii. मानसिक रोगों के उपचार खर्च भी योजना में शामिल हैं।

xiv. अंगों के प्रत्यारोपण प्रकरणों में अंगदाता के चिकित्सा खर्च योजना में शामिल है।

xv. आवश्यकतानुसार आधुनिक उपचार जैसे लीवर/किडनी/हार्ट/स्टेम सेल ट्रांसप्लांट आदि हेतु खर्च योजना में शामिल है।

xvi. कोरोना उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होने पर ईलाज/जांच के खर्च योजना में शामिल है।

xvii. दुर्घटना के कारण की गई प्लास्टिक सर्जरी के खर्च योजना में शामिल है।

xviii. केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित/अनुमोदित या एनएबीएच से मान्यता प्राप्त या सीजीएचएस में सूचीबद्ध या स्टेट पॉवर कंपनी से सूचीबद्ध या नेटवर्क अस्पतालों में आयुर्वेदिक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होने पर ईलाज/जांच के वास्तविक खर्च का 50 प्रतिशत या सीजीएचएसदर पर देय राशि, जो कम हो, प्रतिपूर्ति योग्य होगी।

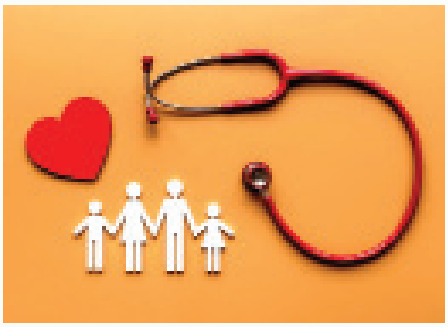

11.क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना

स्टेट स्टेट पॉवर कंपनी के डंगनिया मुख्यालय में, क्रियान्वयन सहायता एजेंसी का 24x7 का हेल्पलाईन सेंटर उपलब्ध रहेगा, जिसमें कम से कम 2 कोऑर्डिनेटर हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

सभी हितग्राहियों को योजना प्रारंभ होने के दिनांक से पूर्व हेल्थकार्ड उनके पत्र व्यवहार के पते पर भेजना सुनिश्चित किया जायेगा।

आई.एस.ए. द्वारा एक मोबाईल ऐप विकसित किया जायेगा, जिसमें ई-हेल्थ कार्ड, नेटवर्क अस्पताल, भर्ती की सूचना तथा इलेक्ट्रानिक माध्यम से क्लेम जमा करने तथा क्लेम की अद्यतन स्थिति जानने की सुविधा होगी।

यह मोबाईल ऐप एंड्रायड एवं आई.ओ.एस. दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के लिये विकसित किया जायेगा।

12. निम्न मद के खर्च इस योजना में शामिल नहीं होंगे (Exclusion) -

i. अप्रमाणित उपचार
ii. लिंग परिवर्तन उपचार
iii. जानबूझकर आत्महत्या के प्रयास के दौरान लगी चोट का ईलाज
iv. जन्म नियंत्रण, बांझपन
v. अपवर्तक त्रुटि (Refractive Error)
vi. ड्रग/मादक पदार्थों का सेवन
vii. नॉन प्रिस्क्रिप्शन ड्रग/डायग्नोस्टिक
viii. कानून का उल्लंघन
ix. कॉस्मेटिक या सौंदर्य उपचार
x. किसी दुर्घटना या बीमारी के इतर अन्य कारण से की गई प्लास्टिक सर्जरी
xi. सामान्य परिस्थितियों में चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस, श्रवण यंत्र
xii. दंत चिकित्सा, जो प्रकृति में कॉस्मेटिक हैं
xiii. मोटापे का सर्जिकल उपचार
xiv. विटामिन और टॉनिक पर खर्च
xv. व्यक्तिगत आराम के लिए सभी गैर-चिकित्सा खर्च

छत्तीसगढ़ में सस्ती और निरंतर बिजली मिलने से बढ़ी प्रति व्यक्ति खपत

प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय खपत 1255 यूनिट, प्रदेश में यह 2211 यूनिट पहुंची। हाफ बिजली बिल, कृषि पंप व उद्योगों को मिल रही रियायत से बढ़ी आर्थिक गतिविधियां

रायपुर | सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और निरंतर मिल रही बिजली से प्रदेश में बिजली की खपत में तेजी आई है। प्रदेश में जहां बिजली की खपत 2211 यूनिट प्रति व्यक्ति तक पहुंच गई है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर खपत 1255 यूनिट है। यह प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं से होने वाले लाभ के कारण हो सका है। यह प्रदेश की तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का भी सूचक है। किसी भी प्रदेश के विकास का पैमाना वहां की बिजली खपत को माना जाता है। जितनी ऊर्जा खपत होती है, उसी से प्रदेश के आर्थिक विकास का आकलन किया जाता है। प्रदेश में बिजली की जितनी खपत होती है, उसे कुल जनसंख्या से भाग देकर प्रति व्यक्ति खपत निकाली जाती है।

केंद्रीय एजेंसी राष्ट्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) इसके आंकड़े जारी करता है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021-22 में प्रति व्यक्ति विद्युत खपत के मामले में छत्तीसगढ़ पांचवें नंबर है। पहले नंबर गोवा 3735 यूनिट, दूसरे नंबर पर पंजाब 2350 यूनिट, तीसरे नंबर पर ओड़िशा 2263 यूनिट और गुजरात 2238 यूनिट प्रति व्यक्ति खपत के आधार पर चौथे स्थान पर है।

वर्ष 2018-19 में छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत 1960.66 यूनिट प्रति व्यक्ति थी, वह वर्ष 2021-22 में 2211.48 यूनिट पहुंच गई है। बीते चार सालों प्रति व्यक्ति विद्युत की खपत में 251 यूनिट की यानी लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हॉफ बिजली बिल योजना से मिला लाभ

वर्ष	उपभोक्ता (लाख में)	राशि(करोड़)
2019	25.24	183.76
2020	37.33	783.61
2021	39.63	848.79
2022	40.74	871.63
2023	42.45	1002.24
2024	42.52	99.74

छत्तीसगढ़ शासन की ऊर्जा नीतियों से जहां प्रदेश में उद्योग, कृषि व घरेलू उपभोक्ताओं में बिजली की मांग बढ़ी है। वहीं हॉफ बिजली बिल योजना का सीधा प्रभाव लोगों की उपभोक्ता क्षमता पर पड़ा है। राज्य शासन घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक के बिजली बिल पर 50 प्रतिशत छूट दे रही है।

राज्य शासन ने साढ़े चार सालों में उपभोक्ताओं को 3789 करोड़ रूपए की छूट प्रदान की है। इसका नतीजा यह हुआ कि जहां 2018-19 में घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा खपत की गई कुल बिजली 5214 मिलियन यूनिट थी, वह चार साल में बढ़कर 6447 मिलियन यूनिट पहुंच गई है। यानी 24 प्रतिशत अधिक बिजली खपत आम उपभोक्ता कर रहे हैं। इसी तरह कृषक जीवन ज्योति योजना में कृषि पंपों को 6000 यूनिट तक निःशुल्क बिजली दी जा रही है। इसके तरह साढ़े चार सालों में 12 हजार 397 करोड़ रुपए की छूट कृषि पंपों को प्रदान की गई है। इससे प्रदेश में कृषि पंपों की बिजली खपत 5038 से बढ़कर 5902 मिलियन यूनिट पहुंच गई है। निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली मिले, इसके लिए अधोसंरचना विकास कार्य तेजी से किये जा रहे हैं। इसीका नतीजा है कि प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। यह प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ ही कृषि और उपभोक्ताओं के आर्थिक विकास का द्योतक है।

गौरतलब है कि प्रदेश में वर्तमान में 61.60 लाख उपभोक्ता हैं। चार साल पहले इनकी संख्या 55 लाख 11 हजार थी। इस दौरान छह लाख 45 हजार नए कनेक्शन बढ़े हैं। चार सालों में उच्चदाब उपभोक्ताओं (औद्योगिक) की संख्या 2890 से बढ़कर 3641 हो गई है।

अधोसंरचना मजबूत होने से उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ- सीएमडी

केंद्र सरकार के रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कार्पोरेशन (आरईसी-ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) नई दिल्ली के चेयरमेन सह प्रबंध निदेशक श्री विवेक कुमार देवांगन (आईएएस) ने छत्तीसगढ़ में विद्युत विकास की योजनाओं की समीक्षा की। पॉवर कंपनी ने राजधानी रायपुर में अंडरग्राउंड केबलिंग के अलग से प्रस्ताव दिया, जिस पर सीएमडी श्री देवांगन ने विशेष चर्चा की तथा पॉवर कंपनी के इस प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

उन्होंने रिवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) व स्मार्ट मीटरिंग योजना की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास की ओर अग्रसर है। यहां विकास की बहुत अधिक संभावना है।

बिजली की निर्बाध आपूर्ति के मामले में छत्तीसगढ़ दूसरे राज्यों की तुलना में काफी बेहतर स्थिति में है। अधोसंरचना विकास की नई योजनाओं से भविष्य में लाइन लॉस में कमी आएगी, जिसका लाभ उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली के रूप में मिलेगा।

आरईसी के चेयरमेन श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डगनिया स्थिति मुख्यालय सेवा भवन में उच्च अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे के साथ

आरईसी के निदेशक श्री संजय बंसल और चीफ प्रोग्रामिंग मैनेजर श्री प्रदीप फैलोस विशेष रूप से उपस्थित थे।

एमडी श्री खरे ने बताया कि प्रदेश में आठ क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जिनके माध्यम से 61 लाख से अधिक उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाने का विशाल तंत्र है। वर्तमान में प्रदेश में विद्युत की अधिकतम मांग 5878 मेगावाट पहुंच चुकी है। इतनी अधिक मांग को भी बिना किसी कटौती के पूरी की गई।

आरईसी के चेयरमेन श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़ में विद्युत आपूर्ति को उत्कृष्ट बताते हुए संतोष जताया और विद्युत अधोसंरचना विकास के कार्यों के लिए आरईसी से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने स्मार्ट मीटरिंग, कृषि पंपों के फीडर पृथकीकरण, वितरण हानि दूर करने की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आरडीएसएस के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को अच्छा कार्य करना है।

मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि स्मार्ट मीटर के लिए तीन पैकेज में निविदा प्रक्रिया की जा रही है, जिसमें से पैकेज-01 में अंबिकापुर, रायगढ़ व बिलासपुर क्षेत्र तथा पैकेज-02 में रायपुर के लिए निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

पैकेज-03 में राजनांदगांव,दुर्ग और जगदलपुर क्षेत्र के लिए पुनः निविदा आमंत्रित की जा रही है। पहले चरण में शासकीय संस्थाओं में स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य है।

सीएमडी श्री देवांगन ने आरडीएसएस की प्रगति पर संतोष जताया और प्रस्तावित नई योजनाओं के लिए भी सहयोग देने की बात कही। उन्होंने अधिक लाइन लास वाले क्षेत्रों में इसे रोकने के लिए एआई बेस्ड मानिटिरिंग के पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ करने कहा।

बैठक में कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री भीम सिंह, श्री आलोक सिंह, श्रीमती सरोज तिवारी, श्रीमती ज्योति नन्नोरे, श्रीमती शारदा रानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रबंध निदेशक श्री खरे शामिल हुए यूनाइटेड किंगडम के अध्ययन दौरे में

रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कार्पोरेशन (आरईसी) नई दिल्ली व्दारा इंटरनेशनल बेस्ट प्रेक्टिसेस इन एनर्जी ट्रांजिशन विषय पर एक अध्ययन दल यूनाइटेड किंगडम भेजा गया, जिसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। यूनाइटेड किंगडम में 17 से 21 अप्रैल तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में श्री खरे शामिल हुए। उन्होंने भारत और छत्तीसगढ़ के

परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा की आवश्यकता और उनकी आपूर्ति संबंधी विषयों पर अध्ययन किया। इस दल में देशभर के 12 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल थे। सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने विश्वभर में विभिन्न ऊर्जा के स्त्रोतों से उत्पादन एवं वितरण के क्षेत्र में हो रहे नवाचार और नवीनतम प्रयोगों को बारिकी से देखा और समझा। साथ ही ऊर्जा के बेहतर और उपयोग तथा विस्तार की जानकारी ली।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रिड से लगातार बिजली पहुंचाने विशेष योजना

रायपुर | छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित व सघन वन क्षेत्रों की बसाहटों में ग्रिड से लगातार बिजली पहुंचाने विशेष योजना बनाई जा रही है। इसकी प्रस्तुति केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के विशेष सचिव व सलाहकार श्री आशीष उपाध्याय के समक्ष दी गई। उन्होंने कहा कि 2023 में सभी घरों तक ग्रिड के जरिये बिजली पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसके लिये यह योजना काफी प्रभावी साबित होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के डगनिया स्थिति मुख्यालय सेवा भवन में 5 जून को आयोजित प्रजेंटेशन में पॉवर कंपनी के चेयरमेन एवं वित्त-ऊर्जा सचिव श्री अंकित आनंद भी इस बैठक में विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि सघन वन व दुर्गम क्षेत्रों में आदिवासी गांव हैं, जहां की बसाहट काफी दूर-दूर हैं। वहां अभी सौर ऊर्जा से बिजली मिल रही है। वहां बिजली पहुंचाने हर घर के लिए अलग से लाइन बिछाना होगा। बैठक में सुकमा जिले पर विशेष चर्चा हुई।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के सबसे अंतिम छोर में स्थित सुकमा जिले में 155 गांव के ऐसे 24 हजार से अधिक घर हैं। वहां अब ग्रिड से लगातार 24 घंटे बिजली पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत तीन चरण में योजना बनाई जा रही है। पहले चरण में सामान्य वन क्षेत्र वाली

बसाहटें हैं, जहां कुछ कठिन प्रयास से बिजली पहुंचाई जा सकती है।

दूसरे चरण में उन बसाहटों में ग्रिड से बिजली पहुंचाने की योजना है, जो वन्य प्राणी व रिजर्व फारेस्ट वाले क्षेत्र हैं, वहां फारेस्ट क्लीयरेंस के साथ बिजली पहुंचाने की योजना है। तीसरे चरण में अत्यंत कठिन क्षेत्र को लिया गया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय को पहले चरण के लिए 673 करोड़, दूसरे चरण के लिए 240 करोड़ व तीसरे चरण के लिए 1101 करोड़ रुपए की योजना भेजी गई है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के विशेष सचिव श्री उपाध्याय ने योजना पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के इन बसाहटों में ग्रिड के जरिये लगातार बिजली पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि वे कृषि पंप का उपयोग कर उन्नत खेती कर सकें। उनके घरों में बल्ब जलाने लगातार बिजली मिले और छोटे घरेलू उद्योग संचालित हो सकें। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 2272 यूनिट प्रति व्यक्ति है, जो राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुना है। यह प्रदेश के तीव्र आर्थिक विकास का द्योतक है। इस पर संतोष जताते हुए श्री उपाध्याय ने भविष्य की बिजली खपत को देखते हुए नए विद्युत संयंत्रों की भी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि राज्य शासन ने कोरबा में 1320 मेगावाट के सुपर क्रिटिकल पॉवर प्लांट स्थापित करने का फैसला लिया है। साथ ही पंप स्टोरेज तकनीक से हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए सर्वे का काम चल रहा है। इसके तहत पांच स्थानों पर 7700 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना लगाया जाना प्रस्तावित है। बैठक में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे, आरईसी के चीफ प्रोग्रामिंग मैनेजर श्री प्रदीप फैलोस के साथ ही कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री भीम सिंह, मुख्य अभियंता श्री आरए पाठक एवं श्री राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे।

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण

कोरबा पूर्व। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 26 जून को छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। मुख्य अतिथि संयंत्र के कार्यपालक निदेशक श्री बी.डी. बघेल थे। इस अवसर पर श्री बघेल ने कहा की छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान सन 1992 में पहली बार सामने आई थी। आंदोलनकारियों ने 4 भुजाओं वाली इस महतारी के माथे पर रक्त तिलक लगाकर छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की सौगंध खाई थी। रक्त का वह टीका आज भी महतारी

के माथे पर शोभायमान है। अभी भी सरकारी दफ्तरों से लेकर तमाम बड़े कार्यक्रमों में हम उनकी तस्वीर देखते है साथ ही छत्तीसगढ़ में कोई भी कार्यक्रम का आरंभ छत्तीसगढ़ महतारी राजकीय गीत से ही शुरू होता है। इस अवसर पर प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया बघेल, एसीई श्रीमती अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, भुवनेश्वर पाटले, संजीव कंसल, मुख्य रसायनज्ञ गोवर्धन सिदार, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी अनिल गुप्ता एवं संयंत्र के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बिना थमे 162 दिन लगातार बिजली उत्पादन का रिकार्ड बनाया हसदेव पॉवर प्लांट के यूनिट 04 ने

38 साल में पहली बार इतने अधिक दिन, बिना थमें चलने का बना कीर्तिमान

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के इकाई क्र. 04 ने बिना रूके 162 दिन और 12 घंटे तक लगातार चलने का रिकार्ड बनाया है। यह रिकार्ड 24 जून 2023 को पूरा हुआ। इस संयंत्र ने स्थापना से अब तक 38 साल के दौरान लगातार बिजली उत्पादन के अपने ही पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया है। इसके पूर्व इस संयंत्र का निरंतर संचालन अवधि के कीर्तिमान 111 दिन 9 घंटे, 53 मिनट था।

संयंत्र क्रमांक-04 ने यह रिकार्ड उस स्थिति में बनाया है, जब इस यूनिट में एबीएल बायलर (एसीसी बेबकॉक लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम) की हैं, जिनके देशभर में स्थापित पुराने संयंत्र इतने अधिक दिन नहीं चल पाते हैं। इस तकनीक वाले कई प्लांट बंद भी हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में निरंतर संचालन करना एक बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि के लिये पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कटियार ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। श्री कटियार ने कहा कि कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा टीम भावना के साथ ईमानदारी,निष्ठा और कड़ी मेहनत से किये गये कार्य से यह उपलब्धि हासिल हुई है। कंपनी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प लिया है। गौरतलब है कि हसदेव ताप विद्युत गृह में 210 मेगावाट के चार यूनिट हैं, जिनकी स्थापना 1986 में की गई थी।

किस प्लांट का कितने दिन लगातार चलने का है रिकार्ड

210 MW यूनिट क्रं. 01- 141 दिन
210 MW यूनिट क्रं. 02- 154 दिन
210 MW यूनिट क्रं. 03- 94 दिन
210 MW यूनिट क्रं. 04- 162 दिन
500 MW विस्तार यूनिट- 113 दिन

इसमें से यूनिट क्रमांक 04 ने 3 मई 2023 की सुबह 8.34 बजे अपने ही पूर्व स्थापित निरंतर संचालन अवधि के कीर्तिमान 111 दिन 9 घंटे, 53 मिनट को तोड़कर नया कीर्तिमान स्थापित किया था, तब से यह संयंत्र लगातार चल रहा था, जिसका रिकार्ड 162 दिन 12 घंटे दिन तक पहुंचा।

कोरबा पश्चिम के अन्य तीन और संयंत्रों में यह सर्वाधिक संचालन का रिकार्ड बना चुका है। यह उपलब्धि लगातार मानिटरिंग, उच्च रखरखाव और खास सर्तकता के कारण हासिल हो सकी है। सामान्यतः इतना चलने पर संयंत्र में मेन्टेनेस की जरूरत पड़ जाती थी, इस बार ऐसी स्थिति नहीं आई है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि 210 मेगावाट के एबीएल बॉयलर को जनरेशन कंपनी में कार्यरत् अभियंता एवं कर्मचारी बहुत अच्छे से चला रहे हैं।

पांच करोड़ की लागत से 40 एमव्हीए का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

प्रदेश में आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी के कारण विद्युत की मांग भी बढ़ रही है, इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी अपनी पारेषण क्षमता में लगातार वृद्धि कर रही है। इसी कड़ी में बिलासपुर जिले के 132/33 केव्ही उपकेन्द्र सिलपहरी में 40 एमव्हीए (मेगा वोल्ट एम्पीयर) क्षमता के ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। लगभग चार करोड़ 88 लाख रूपए की लागत से किए गए इस क्षमता वृद्धि के कार्य से बिलासपुर क्षेत्र के 75 उच्चदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के साथ ही 120 गांवों के घरेलू उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इससे औद्योगिक विकास की गतिविधियों में तेजी आएगी। इस उपकेन्द्र की क्षमता पहले 80 एमव्हीए था, 40 एमव्हीए का नया ट्रांसफार्मर लगने से अब इस उपकेंद्र की क्षमता 120 एमव्हीए हो गई है। उच्चदाब ट्रांफार्मर के ऊर्जीकरण के अवसर पर पॉवर कंपनी के मुख्य अभियंतागण श्री केके भगत, श्री एके धर, श्रीमती कल्पना घाटे, एसीई श्री अविनाश सोनेकर, एसई श्री सीएम बाजपेयी, श्री यूआर मिर्चे,श्री शरद पाठक, श्री बीपी जायसवाल, श्री आरके शुक्ला, ईई सर्वश्री पीवीएस राजकुमार, गौतम केनार, जीआर जायसवाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया नई ट्रांसमिशन लाइन का भूमिपूजन, 100 करोड़ होगी लागत

प्रदेश के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिये अधोसंरचना विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, इसी कड़ी में माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के सांकरा (अमलेश्वर) स्थित 132 केवी उपकेंद्र का लोकार्पण किया। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सांकरा अमलेश्वर में 21 मई को आयोजित "भरोसे का सम्मान " कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने ट्रांसमिशन कंपनी व्दारा

पाटन क्षेत्र में पूर्ण किए गए विभिन्न कार्यों का लोकार्पण किया, जिसमें 132 केवी उपकेंद्र के अलावा 36 करोड़ रूपए की लागत से खींची गई नई 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित 220 केवी उपकेंद्र पाटन एवं 132 केवी उपकेंद्र औरी-जामगांव (आर) का भूमिपूजन किया। इस प्रस्तावित परियोजना की लागत 100 करोड़ रुपए है। इससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति और बेहतर होगी।

तीन सौ गांवों में नहीं होगी वोल्टेज की समस्या, बढ़ाई गई पारेषण क्षमता

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विद्युत पारेषण प्रणाली को मजबूत करने विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने रायगढ़ जिले में स्थित 132/33 केवी उपकेन्द्र में एक अतिरिक्त 40 एमव्हीए (मेगा वोल्ट एम्पीयर) क्षमता की नयी ट्रांसफार्मर स्थापित की है। इसे 12 जून को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया।

इससे बरमकेला सब-स्टेशन की क्षमता 120 एमवीए हो गई है। इसकी लागत चार करोड़ 88 लाख रुपए है। मानसून के पूर्व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगने से क्षेत्र के हजारों किसानों को बेहतर बिजली मिल सकेगी। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्रीमती कल्पना घाटे, एसई सर्वश्री सीएम बाजपेयी, मनीष तनेजा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नए उपकेंद्र का लोकार्पण किया महिला बाल विकास मंत्री ने

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नये 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र दिघवाड़ी का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने 26 मई को किया। यह उपकेंद्र वनांचल क्षेत्र बालोद के वितरण केन्द्र भर्रीटोला के अंतर्गत ग्राम दिघवाड़ी में है। उल्लेखनीय है कि नये 33/11 केव्ही उपकेंद्र दिघवाड़ी का कार्य मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत लगभग 02 करोड़ 15 लाख रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है।

महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती भेड़िया ने कहा कि वनांचल में विद्युत व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए और ग्रामीणों की मांग पर शासन के सहयोग से यहां सब स्टेशन का कार्य पूर्ण हो सका। नया उपकेंद्र बन जाने से 18 ग्रामों के उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सुविधाएं मिलेगी। उन्हें लो वोल्टेज एवं विद्युत व्यवधान से भी निजात मिलेगी। उक्त उपकेंद्र के अंतर्गत ग्राम दिघवाड़ी, जिलेवाही, काकड़कसा, आमाडुला, चिहारे, किसनपुरी, मथेना, पुत्तरवाही, बोहारडीह, धवनपारा, साल्हे(आ.), मरदेल, जबकसा, मगरदाह, रजोलीडीह, नर्रालगुण्डा, पेटेचुवा एवं पुसावड सहित 18 ग्रामों के 1918 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में डौण्डी जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बसंती दुग्गा, मंत्री प्रतिनिधि श्री पीयूष सोनी, श्रीमती करिश्मा सलामे, श्री कोमेश कोर्राम, श्रीमती रमिता मरकाम, श्री छबिलाल मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पॉवर कंपनी के ईई श्री टीएल सहारे, एई श्री आरसी साहू एवं एचके हिरवानी, जेई श्री विशाल विक्रम सिंह उपस्थित थे।

रिसाली उपकेंद्र में लगा 5 एमवीए का ट्रांसफार्मर

दुर्ग। 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र(सबस्टेशन) हिंदनगर रिसाली, भिलाई में 05 एमव्हीए का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया एवं उपकेंद्र से नया 11 केव्ही लाइन खींचकर कृष्णा टॉकीज रोड फीडर ऊर्जीकृत किया गया। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसरंचना विकास योजना के अंतर्गत संपादित इस कार्य को लगभग 91 लाख 20 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है। नया 11 केव्ही फीडर के चार्ज होने से आसपास के लगभग 5000 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

ग्राम डूमर में नया विद्युत उपकेंद्र ऊर्जीकृत

दुर्ग। संभाग भिलाई के अंतर्गत अहिवारा वितरण केंद्र के डूमर गांव में नये 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र को ऊर्जीकृत किया गया। नया उपकेंद्र बन जाने से लगभग 2500 उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली की आपूर्ति होगी। मुख्य अभियंता श्री एम जामुलकर ने बताया कि उक्त विद्युत उपकेंद्र के निर्माण से संबंधित क्षेत्र के 11 ग्रामों के लगभग 2500 उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज एवं विद्युत व्यवधान की समस्या से राहत मिलेगी।

डोंगरगढ़ में नया पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अन्तर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त वोल्टेज पर निर्बाध व गुणावत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यमान उपकेन्द्रों में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जा रहा है। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ शहर में स्थित 33/11 केव्ही उपकेन्द्र में विद्यमान 3.15 एमव्हीए के पॉवर ट्रांसफार्मर का क्षमता में वृद्धि की गई है। इस प्रकार इस उपकेन्द्र की क्षमता 8.15 एमव्हीए से बढ़कर 10 एव्हीए हो गई है।

फरीदनगर में लगा अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

दुर्ग। शहर के 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) फरीद नगर भिलाई में 05 एमव्हीए का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसरंचना विकास योजना के अंतर्गत संपादित इस कार्य को लगभग 72 लाख 81 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है। इससे लगभग 5500 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। सीई श्री एम जामुलकर, एसई श्री तरुण कुमार ठाकुर एवं ईई श्री रुपेन्द्र कुमार चन्द्राकर एई सर्वश्री टीएन बिजू, पीएल माहेश्वरी, नवीन वर्मा, मनीष चंद्रवंशी, निरंजन दास एवं दिनेश कुमार गुप्ता उपस्थित थे।

ओवरलोडिंग से मिलेगी राहत, चंडी मंदिर फीडर को बांटा दो भागों में

दुर्ग। 33/11 केव्ही उपकेंद्र बघेरा से निकलने वाली 11 केव्ही चंडी मंदिर फीडर को दो भागों में विभक्त किया गया है। इससे बघेरा जोन के लगभग 1800 उपभोक्ताओं को बिजली ट्रिपिंग एवं वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ उठा सकेंगे। मुख्य अभियंता श्री एम जामुलकर ने बताया कि ओवरलोडेड चंडी मंदिर फीडर को दो भागों में विभक्त कर एक नया 11 केव्ही लाईन फीडर गवलीपारा खींचा गया है, जिसकी लंबाई 2.72 किलोमीटर है। उक्त कार्य सामान्य विकास योजना के तहत 30 लाख रुपए की लागत से संपादित किया गया है। नये फीडर के चार्ज होने से गवलीपारा, शिवपारा, सिद्धार्थ नगर, ढीमरपारा, सूरजमल गली एवं आसपास के क्षेत्र में बिना किसी व्यवधान के विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी।

नांदघाट के ग्राम मल्दा में बना नया विद्युत उपकेंद्र

दुर्ग। बेमेतरा के अंतर्गत नांदघाट वितरण केंद्र के ग्राम मल्दा(खपरी) में 3.15 एम.व्ही.ए. क्षमता के नये 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र को ऊर्जीकृत किया गया। नया उपकेंद्र बन जाने से लगभग 1800 उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होगी। उक्त विद्युत उपकेंद्र के निर्माण से संबंधित क्षेत्र के 12 ग्रामों के लगभग 1800 उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज एवं विद्युत व्यवधान की समस्या से राहत मिलेगी। नांदघाट के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम खपरी, केशला, चिरैया, भदरली, घोघराली, सेनगांव, कंहरपुर, मल्दा, खमरिया, मूठपुरी और आसपास के क्षेत्र को अब निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

शहर के 5 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

बिलासपुर। 33/11 केव्ही उपकेन्द्र पुराना आरटीओ में 5 एमव्हीए (मेगा वोल्ट एम्पीयर) क्षमता के ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 70 लाख रूपए की लागत से किए गए इस क्षमता वृद्धि के कार्य से इस क्षेत्र के 5 हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इस उपकेन्द्र की क्षमता पहले 5 एमव्हीए थी, 5 एमव्हीए का नया ट्रांसफार्मर लगने से अब इस उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 10 एमव्हीए हो गई है। ऊर्जीकरण के अवसर पर एडि.सीई श्री पीके कश्यप एसई श्री पीव्हीएस राजकुमार, श्रीमती तृप्ति जांगड़े, श्री पीके चौबे, श्री संजीव केशकर, श्री दीप्तेन मुखर्जी कनिष्ठ अभियंता श्री केसी जोशी उपस्थित थे।

58 गांव के उपभोक्ताओं व किसानों को मिलेगी निर्बाध बिजली

राजनांदगांव। नवीन जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के अंचलों में विद्युत व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक नया आयाम जोड़ते हुए 132/33 केव्ही उच्चदाब उपकेंद्र कुम्ही (खैरागढ़) से निर्मित नये 33 केव्ही फीडरों अतरिया एवं बइहाटोला को ऊर्जीकृत किया गया। मुख्य अभियंता श्री टीके मेश्राम ने बताया कि एचटीएन योजना से 95 लाख की लागत से लगभग साढ़े 25

किलोमीटर के इन नवीन लाइनों के ऊर्जीकृत होने से अतरिया, बइहाटोला एवं छुईखदान 33/11 केव्ही उपकेन्द्रों की विद्युत व्यवस्था और बेहतर होगी। यहां लंबी दूरी के कारण ओवरलोड, लो वोल्टेज एवं ट्रिपिंग जैसी समस्याएं आती रहती थी। अब तीनों उपकेंद्रों को दोनों नये फीडरों से ऊर्जीकृत किये जाने से विद्युत व्यवस्था बेहतर हो गई है जिससे उपभोक्ताओं एवं किसानों को लाभ मिलेगा।

एमडी ने ईएएम माडयूल का डिजिटल माध्यम से किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में बहुप्रतिक्षित ईएएम माडयूल (सेप) का डिजिटल माध्यम से 01 जून को शुभारंभ किया। इससे सभी पॉवर प्लांटों में इन्वेंटरी मैनेजमेंट आसान होगा। उक्त कार्य के कार्यान्वयन में कार्यपालक निदेशक श्री सीएल नेताम एवं एमआईएस-आईटी तथा ईएएम टीम (ईआईटीसी) रायपुर तथा मड़वा संयंत्र के प्रमुख एवं उनके टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्लांट के प्रमुख एवं उनके पदाधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े हुए थे। ईआईटीसी के ईएएम टीम के द्वारा पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत किया गया। वर्ष-2013 केटीपीएस में, वर्ष-2014 डीएसपीएम एवं एचटीपीएस (4x210 मेगावाट) में तथा विगत अक्टूबर 2022 में एचटीपीएस (1x500 मेगावाट) में ईएएम का क्रियान्वयन किया जा चुका है। इस प्रकार 01 जून से ईएएम का शुभारंभ व सफल क्रियान्वयन मड़वा पॉवर प्लांट के साथ जनरेशन कंपनी सभी के सभी पॉवर प्लांट में सफलतापूर्वक संचालित कर लिया गया है। इस अवसर पर एमडी श्री एस के कटियार द्वारा उक्त कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समस्त अधिकारियों को सराहनीय कार्य हेतु बधाई देते हुए ईएएम माडयूल की सही तरह से उपयोग में लाने के निर्देश दिये गये है, जिससे सभी पावर प्लांटों में इन्वेंटरी मैनेजमेंट आसान हो सके। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्पादन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री सीएल नेताम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरएल ध्रुव, श्री आर. अरविंद, कार्यपालन अभियंता श्री देवेन्द्र कुमार खेलवार, श्रीमती अमिता बारा, सहायक अभियंता श्री महेन्द्र देवांगन एवं ऊर्जा सूचना प्रोद्योगिकी सेल (ईआईटीसी) से अधीक्षण अभियंता श्री जीके गंगवानी एवं मैनेजर-आईटी श्री कोमल नागवंशी, सहायक अभियंता श्रीमती रीचा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

185 विद्युत उपकेंद्रों के मेंटेनेंस कार्य की मानिटरिंग के लिए बना नया भवन

दुर्ग। सिविल लाईन दुर्ग में सब-ट्रांसमिशन मेंटेनेंस (एसटीएम) कार्यालय (विद्युत संभागीय कार्यालय एसटीएम शहर एवं ग्रामीण) के लिए नये भवन का निर्माण किया गया। नवनिर्मित भवन में 5 जून से कार्यालयीन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर ने बताया कि एसटीएम हर संभाग एवं

एसटीएम ग्रामीण संभाग का कार्यालय पूर्व में पद्मनाभपुर में स्थित था, जिसे नये भवन में स्थानांतरित कर लिया गया है। एसटीएम विद्युत विभाग की बहुत ही महत्वपूर्ण शाखा है, क्योंकि इसी कार्यालय के माध्यम से दुर्ग वृत्त के 151 एवं शहर वृत्त के 34 सहित कुल 185 विद्युत उपकेंद्रों के ट्रांसफार्मरों एवं विद्युत लाइनों का मेंटेनेंस कार्य होता है।

सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना में मिलेगी 15 लाख रूपये जोखिम राशि

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना लागू की गई है। मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री अशोक वर्मा ने इस संबंध में मेसर्स यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेन्स कंपनी के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया। वर्ष 2023-24 की अवधि के लिए पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी के 13 सौ से अधिक नियमित कर्मियों के साथ ही

कार्यभारित / संविदा (ऐसे कर्मचारी जो राज्य बीमा अधिनियम के तहत शासित नहीं हैं) दैनिक वेतनभोगी (ठेकेदारों द्वारा नियोजित ठेका श्रमिकों को छोड़कर) पर भी यह योजना लागू होगी। इसके अंतर्गत नियोजन के दौरान कार्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर 15 लाख रूपये जोखिम राशि तथा नियोजन के दौरान अन्य दुर्घटनावश मृत्यु होने पर जोखिम राशि पाँच लाख प्रति कार्मिक प्रदान की जायेगी। यह योजना दिनाँक 05.05.2023 की रात्रि 12 बजे यानी 06.05.2023 से 05.05.2024 की (मध्य रात्रि) तक लागू रहेगी।

आतंकवाद विरोध दिवस पर याद किये गए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के मुख्यालय सेवा भवन सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोध दिवस मनाया गया। सभी कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ ली।

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने मुख्यालय सेवा भवन आतंकवाद विरोध दिवस पर अधिकारी-कर्मचारियों के साथ शपथ ली। 21 मई 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इस दिन को स्व. गांधी के सम्मान में और श्रद्धांजलि देने आतंकवाद विरोध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों, आतंकवाद के कारण आम जनता को हो रही परेशानियों व उन्हें आतंकी हिंसा से दूर रखना है।

रायपुर। निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा।

मड़वा। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में ईडी श्री एसके बंजारा।

दुर्ग। आतंकवाद एवं हिंसा के विरोध में विद्युतकर्मियों ने ली शपथ ली।

राजनांदगांव। मुख्य अभियंता श्री टीके मेश्राम ।

रायपुर। मानव संसाधन कार्यालय में जीएम श्री एनएल साहू ने शपथ दिलाई।

कोरबा पूर्व। डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत में ईडी श्री बीडी बघेल।

भीषण गर्मी में किसानों की उम्मीदों को राहत दी कृषि पंपों से पानी की बौछार ने

एक समय था जब खेती-किसानी को मानसून का जुआ कहा जाता था। उस समय परिस्थितियां ही ऐसी थीं कि अगर बारिश नहीं हुई तो किसान की पूरी मेहनत खराब हो जाती थी, लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में परिस्थितियां बदल गई है। आज मानसून अगर देर से आ रही है तब भी किसान अपनी बोनी की तैयारी पूरी कर लेता है। अगर भरे सावन में मानसून रूठ जाए तो भी किसान को चिंता नहीं रहती है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में किसानों को निर्बाध बिजली मिल रही है।

छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है क्योंकि यहां सरगुजा से लेकर बस्तर तक खेत में धान की फसल ली जाती है। मानसून का किसानों को बेसब्री से इंतजार रहता है, हर साल मानसून की दस्तक छत्तीसगढ़ में 12 जून के आसपास हो जाती थी, लेकिन इस वर्ष जून महीने में मानसून काफी देर से आया। दोपहर की गर्मी और तेज हवाएं लोगों की त्वचा को ही नहीं बल्कि किसानों की उम्मीदों को भी झुलसा रही थी।

किसानों के सामने समस्या थी कि वे धान का थरहा कैसे लगाएं। थरहा लगने के 20 से 25 दिन बाद उन पौधों की खेतों में रोपाई करते हैं। अगर थरहा लगाने में ही देर हो गई तो पूरी फसल के चक्र में देर हो जाती है। ऐसे में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की बिजली का सहारा काफी किसानों को मिला। प्रदेश के 6 लाख 89 हजार किसानों को मिले कृषि पंप कनेक्शन के सहारे उनकी उम्मीदों को बल मिला। किसानों ने तेज धूप और भीषण गर्मी में भी अपने खेतों की तैयारी जारी रखी और अपने खेतों में सिंचाई पंपों के सहारे धान की रोपाई के लिए थरहा तैयार किया। उनके खेतों में थरहा तैयार हो गया है। जैसे ही मानसून छत्तीसगढ़ में आया किसानों के चेहरे खिल गए।

प्रदेश में किसानों को कृषक जीवन ज्योति योजना के तहत स्थायी एवं अस्थायी पंप कनेक्शन पर तीन हार्सपॉवर पर बिजली बिल में 6000 यूनिट एवं पांट हार्सपॉवर तक 7500 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है। फ्लैट रेट का विकल्प चुनने वाले किसानों को उनके विद्युत खपत की कोई सीमा न रखते हुए केवल 100 रूपए प्रति एचपी की दर से बिजली बिल भुगतान की सुविधा दी जा रही है। अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों के लिए विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं रखी गई है।

प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजना में अब तक साढ़े चार सालों में किसानों को 12,397 करोड़ रुपए से अधिक की सब्सिडी प्रदान की गई है। इस योजना से मार्च 2023 तक 6 लाख 89 हजार किसानों को लाभ मिल रहा है।

किसानों को मिल रही बिजली से प्रदेश में धान की पैदावार भी लगातार बढ़ रही है। किसान नए और उन्नत तरीकों का इस्तेमाल करके खेती कर रहे हैं, जिससे धान सहित दूसरी फसलों की खेती में छत्तीसगढ़ सिरमौर बन रहा है।

स्थायी व अस्थायी कृषि पंप

वर्ष	पंप कनेक्शन
2000	73369
2000–01	80269
2001–02	87892
2002–03	99718
2003–04	110320
2004–05	122828
2005–06	141595
2006–07	155804
2007–08	173872
2008–09	205582
2009–10	229342
2010–11	259108
2011–12	290377
2012–13	328669
2013–14	369438
2014–15	406486
2015–16	438841
2016–17	473818
2017–18	485696
2018–19	516576
2019–20	545112
2020–21	585594
2021–22	618498
2022–23	682466
2023–24	689171

फोटो- माया चंद्राकर (प्रकाशन अधिकारी) दुर्ग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पतंजलि योगसूत्र का अभ्यास किया विद्युतकर्मियों ने

कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह में मुख्य अभियंता श्री संजय शर्मा के मार्गदर्शन रवीन्द्र सांस्कृतिक भवन (सीनियर क्लब) में एक दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्री ए.के सिन्हा, श्री एम.के गुप्ता, श्री पी.के स्वेन तथा संकल्प महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निहारिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थीं। इस अवसर पर मुख्य संरक्षा अधिकारी श्रीमती प्रिया मिश्रा ने ध्यान, प्राणायाम के साथ योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया तथा उनके महत्व से परिचित कराया।

मड़वा। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में योगाभ्यास का आयोजन हुआ। इसमें कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा विशेष रूप से उपस्थित थे। योग गुरू की भूमिका अतिरिक्त मुख्य अभियंता शशिधर द्विवेदी ने निभाई। उन्होंने जनसमूह को योग क्रियाओं के साथ योग अभ्यास के महत्व को बताया और कहा कि योगासन का मानव स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा, राजाबाबू कोसरे, आरजी देवांगन और पीके श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

उर्ध्वसर्वांगासन
इस आसन में सभी अंगों का व्यायाम होता है, इसलिए इसे सर्वांगासन कहते हैं।

रायपुर। विश्व योग दिवस के मौके पर केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी में योगाभ्यास किया गया। प्रभारी मुख्य अभियंता एवं योगाचार्य श्री सीताराम साहू के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु अभियंता समेत अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने योग के विभिन्न आसन किए। इस अवसर पर श्री साहू ने बताया कि योग आसन, प्राणायाम तथा ध्यान के समन्वित रूप को कहते हैं। उन्होंने योग से जीवन को कैसे सुखमय बनाएं, इस पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने योग आसन का महत्व बताया और नियमित रूप से इसे दिनचर्या में शामिल करने की बात कही। इस अवसर पर पॉवर कंपनी के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

शीर्षासन
ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल योग दिवस पर शीर्षासन करते हुए।

अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है योग

डॉ. श्वेता जैन
चिकित्साधिकारी, डंगनिया औषधालय, रायपुर

21 जून को हम सबने विश्व योग दिवस मनाया। सरकार से लेकर विभिन्न संगठनों, संस्थानों एवं समूहों ने देश और विदेश में योग के प्रति रूचि बढ़ाने तथा वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करने की कोशिश भी की। इन सबके बीच जबकि हम योग को भारतीय ज्ञान और सांस्कृतिक धरोहर के तौर पर देख रहे हैं यह भी आवश्यक है कि इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए इसके लाभ को अच्छी तरह जाने और समझे। योग से शारीरिक तंदरूस्ती तो आती ही है साथ ही सबसे ज्यादा मानसिक शांति मिलती है। योग से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है, साथ ही यह शरीर की सभी क्रियाओं को नियंत्रित भी करता है।

योग से शरीर का रक्त प्रवाह नियंत्रित होता है, शरीर में चुस्ती, लचीलापन आता है, शरीर से हानिकारक टॉक्सीन बाहर निकलती है। शरीर की चय—पचय क्रिया दुरूस्त होती है। इसके अतिरिक्त श्वसन क्रिया संतुलित होती है जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।योग से मन एकाग्रचित्त रहता है, सकारात्मकता का भाव, उत्साह, आत्मबल बढ़ता है।योग शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बनाए रखता है।

योग के लिए यह आवश्यक नहीं कि घंटों का समय हर दिन इसके लिए दिए जाए। प्रतिदिन योग के लिए 30 मिनट का समय भी आपको स्वस्थ रखने में सहायक हो सकता है। हर आयुवर्ग तथा अवस्था के लोगों के लिए लाभप्रद है। आइए योग को हम अपने जीवन में उतारे और इससे होने वाले लाभ का आनंद लें।

कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंताओं को दी गई भावभीनी विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में कार्यरत उच्च अधिकारियों को सेवानिवृत्त पश्चात् भावभीनी विदाई दी गई। जनरेशन कंपनी से सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक (भंडार एवं क्रय) श्री अरूण कुमार वर्मा एवं मुख्य अभियंता(सिविल) श्री विमल मिश्रा को तथा डिस्टीब्यूशन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री नरोत्तम लाल साहू को कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी श्री मनोज खरे, जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एसके कटियार, डायरेक्टर(कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा ने उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशकगणों ने सेवानिवृत्त अभियंताओं की सेवाओं की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त ईडी श्री वर्मा, जीएम श्री साहू एवं सीई श्री मिश्रा ने अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया।

सीई श्री भौरासे को सेवाभवन में दी विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (सी एंड टीएम, भिलाई) श्री केके भौरासे को सेवानिृत्ति पर सेवा भवन में प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे एवं निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा ने स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने श्री भौरासे की सेवाओं को प्रदेश के विद्युत विकास के लिए महत्वपूर्ण निरूपित करते हुए उनके द्वारा विद्युत मंडल एवं कंपनी में किये गये योगदान की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ईडी श्री सिंह को दी भावभीनी विदाई

अंबिकापुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री अखंड प्रताप सिंह एवं अधीक्षण अभियंता श्री रामअवतार नामदेव को प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इसके पूर्व अंबिकापुर में 30 जून को उन्हें अंबिकापुर में विदाई दी गई। इस अवसर पर एसई सर्वश्री आरके मिश्रा, राजेश लकड़ा, आरके ठाकुर, ईई एसपी कुमार, आर नागवंशी, मेरी लीली एक्का, राकेश्वरी टोंडे, अशोक जयसवाल, अनीता मिंज, सुखदेव राम, सरिता सिंह, महेंद्र तिवारी उपस्थित थे।

एसई श्री बांधे को दी गई विदाई

दुर्ग |क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ अधीक्षण अभियंता श्री एसआर बांधे को सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्ण विदाई दी गई। इसमें मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर, एसीई श्री एचके मेश्राम, एसई श्री तरुण कुमार ठाकुर, श्री डी. के.डूम्भरे, श्रीमती सनीली चौहान, श्री प्रशांत सोनी उपस्थित थे।

सीई कार्यालय से श्री देवांगन को विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (लाइन) में 30 जून को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री अविनाश सोनेकर ने अनुभाग अधिकारी श्री अशोक कुमार देवांगन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मानव संसाधन कार्यालय में जीएम सहित तीन को विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एन एल साहू, निज सहायक श्री वाय सूर्यप्पा राव, कार्यालय सहायक श्रेणी एक श्री तुलसी प्रसाद तिवारी को भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में प्रबंध निदेशक कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एसआरपी खंडेलवाल ने सेवा निवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह तथा सेवा प्रमाणपत्र प्रदान किया। इसमें डीजीएम श्री राजेश श्रीवास्तव, श्रीमती मल्लिका बेक, नम्रता राठौर, श्री राजेश सिंह,श्री संतोष साहू उपस्थित थे।

एसई श्री पटेल सहित तीन कर्मियों को विदाई

मड़वा | अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह से मई माह में एसई एमके पटेल, कनिष्ठ पर्यवेक्षक शिवकुमार चौबे एवं तुलसी राम ठाकुर सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई दी गई। प्रभारी कार्यपालक निदेशक सह अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा ने उन्हें सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया।

दो कर्मियों को एचआर से दी गई विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग में सहायक प्रबंधक श्री शीतल साहू एवं अनुभाग अधिकारी श्री अमित मेहता को विदाई दी गई। मानव संसाधन के मुख्य अभियंता श्री एके वर्मा एवं एसीई श्री विनोद अग्रवाल ने प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

एसई श्री खरे सहित कर्मियों को विदाई

कोरबा पश्चिम | हसदेव ताप विद्युत गृह में 31 मई को विदाई समारोह में एसई श्री रघुनाथ प्रसाद खरे, ईई श्री पुरुषोत्तम उर्मलिया, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री राम प्रसाद राणा, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री गीता सिंह, श्री मुकेश कुमार रावत, भरत लाल केवर्त, राजेंद्र प्रसाद राठौर,हेमलाल चंद्रा, संयंत्र सहायक श्री जयपाल प्रसाद साहू, दफ्तरी श्री ठाकुर राम को विदाई दी गई ।

डीएसपीएम में दो कर्मियों को दी विदाई

कोरबा पूर्व | डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से मई में सहायक अभियंता दिनेश चंद जैन एवं संयंत्र सहायक श्रेणी-दो जगत सिंह को विदाई दी गई। कार्यक्रम प्रभारी ईडी श्री एमएस कंवर, एसीई अंजना कूजुर, राजेश्वरी रावत एवं संजीव कंसल के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री बघेल द्वारा सेवानिवृत्ति कर्मी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

दो महिला अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त

कोरबा पूर्व |कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह से माह मई में 02 अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हुये। मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने निज सचिव श्रीमती सुसम्मा थामस एवं दफ्तरी श्रीमती रात्रीबाई फ्रांसिस को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।

वित्त विभाग में श्री धिरही को विदाई

रायपुर | वित्त संकाय में सहायक प्रबंधक पद पर कार्यरत श्री एचएल धिरही को 31 मई को सेवानिवृत्ति पश्चात् विदाई दी गई। इसमें ईडी श्री एमएस चौहान, श्री संदीप मोदी एवं श्री आलोक सिंह एवं महाप्रबंधक श्री वायबी जैन व श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य ने श्री धिरही को सम्मानित किया।

कार्यपालक निदेशक श्री बघेल की भावभीनी विदाई

कोरबा पूर्व| डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से 30 जून को बुद्धदेव बघेल(कार्यपालक निदेशक), विनोद कुमार मिश्रा (अधीक्षण अभियंता), सुमा राजन, जसपाल सिंह(अनुभाग अधिकारी), हेतराम साहू (सहा. अग्निशमन अधिकारी), राजेन्द्र कुमार चिटनीस, महादेव शर्मा (वरि. पर्यवेक्षक), ओमनारायण पाण्डेय, कन्हैया लाल पटेल, बिरेन्द्र सिंह ठाकुर (कनि. पर्यवेक्षक) वासुदेव सिंह, रामचन्द्र द्विवदी, सुखदेव (सं.सहा. श्रेणी-एक), श्यामू चेट्टी, एवं राजेन्द्र कुमार (सं.सहा.श्रेणी-दो), कोरबा पूर्व संयंत्र से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये।

एसीई श्री शुक्ला सहित कर्मियों को दी विदाई

कोरबा पश्चिम |हसदेव ताप विद्युत गृह 30 जून को सेवानिवृत्त अति. मुख्य अभियंता श्री ओपी शुक्ला, एसई श्री एमके सिंघई, श्री प्रमोद कुमार जैन, ईई श्री विनोद कुमार महेशकर, अनुभाग अधिकारी श्री राम कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों को विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री संजय शर्मा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह तथा सेवा प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसीई श्री हेमंत सिंह, श्री एम.के गुप्ता, श्री पी.के स्वेन, श्री भास्कर राव, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री के.के कुरनाल,पूर्व मुख्य अभियंता श्री संतोष शुक्ला एवं श्री केपी पांडे, श्री सुनील नायक एवं श्री एस.के सोनपुरे उपस्थित थे।

एसीई एवं चार कर्मियों को दी गई विदाई

मड़वा |अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में 30 जून को अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरजी देवांगन, अनुभाग अधिकारी श्री थामस वाकर, श्री शिवकुमार गुप्ता, उप अग्निशमन अधिकारी श्री चंद्रशेखर भट्ट और संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री पारेश्वर नाथ साहू सेवानिवृत्त पश्चात् कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा ने उन्हें स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा, एसडी द्विवेदी, पीके श्रीवास्तव, डॉ. आरके तिवारी उपस्थिति रहे।

एसई श्री याहके को दी भावभीनी विदाई

राजनांदगांव । कवर्धा वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री आर. एन. याहके सहित कर्मी श्री कृष्ण कुमार देवागंन खैरागढ़, श्री गणेश प्रसाद नामदेव, श्री विजय दास वैष्णव एवं श्री आत्माराम साहूको के सेवानिवृत्ति पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को शुभकामनाए दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

संयत्र में मनाई गई डॉ.मुखर्जी की पुण्यतिथि

कोरबा पश्चिम । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 70वीं पुण्य तिथि मनायी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री बीडी बघेल ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इसमें एसीई अंजना कुजुर,राजेश्वरी रावत, भुवनेश्वर पाटले, आशीष श्रीवास्तव, संजीव कंसल उपस्थित थे।

प्रशिक्षण से कार्य दक्षता में होगा सुधार

अंबिकापुर | स्वास्थ्य प्रबंधन द्वारा दक्षता सुधार विषय पर 9 जून को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अंबिकापुर में आयोजित किया गया। समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ए.पी. सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण से कार्य दक्षता में सुधार लाया जा सकता है। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के एसीई श्री सीताराम साहू ने बेहतर जीवनशैली पर प्रशिक्षण दिया।

बिजली चोरी पर नकेल कसने, विजिलेंस टीम ने ली बैठक

दुर्ग। पॉवर कंपनी के मुख्य अभियंता (विजिलेंस) श्री आईएन कैथवास ने बिजली चोरी रोकने के उपाय संबंधी समीक्षा बैठक 24 मई को क्षेत्रीय मुख्यालय में ली। बैठक में दुर्ग रीजन के वृत्त एवं शहर वृत्त सहित दुर्ग, भिलाई, बालोद, बेमेतरा, साजा, दुर्ग शहर, भिलाई पूर्व एवं भिलाई पश्चिम संभाग के अभियंतागण शामिल हुए। श्री कैथवास ने कहा कि बिजली चोरी के प्रकरणों में त्वरित रुप से थानों में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। सर्तकता जांच में किए गए बिल की बकाया राशि वसूली तेजी से की जाएगी। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विजिलेंस संभाग द्वारा जांच किए गए कनेक्शनों के लिए विद्युत प्रदाय संहिता में दिए गए निर्देशों के अनुरुप समय-सीमा में देयक जारी कर वसूली सुनिश्चित की जाए। बिजली चोरी के प्रकरणों का अनिवार्य रुप से थाने में एफआईआर दर्ज कराएं। लंबित विवादास्पद प्रकरणों के लिए वृत्त स्तर पर समिति गठित कर विवादों का समय-सीमा में निराकरण करें। दस वर्षों से अधिक समय से लंबित देयकों की वसूली हेतु संयुक्त जांच कर उपभोक्ता की पुष्टि न होने पर प्रस्ताव बनाकर उच्च कार्यालय को भेजने तथा विद्युत चोरी पाए जाने पर सर्तकता व संचारण-संधारण के अधिकारियों द्वारा संयुक्त पंचनामा बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में एसीई सर्तकता श्री मंगल तिर्की, एसीई दुर्ग रीजन श्री एचके मेश्राम, एसई श्री तरुण कुमार ठाकुर एवं श्री सलील कुमार खरे सहित रीजन के सभी ईई एवं एई उपस्थित रहे।

उपभोक्ता सेवा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

दुर्ग। क्षेत्रीय मुख्यालय के सभाकक्ष में सभी नवनियुक्त जूनियर इंजीनियरों एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर ने उन्हें स्वतंत्र प्रभार का आदेश प्रदान करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि आपकी सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वितरण केंद्र/जोन इस कंपनी के आधार हैं, इसलिए आपको कंपनी की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

सुरक्षित ढंग से कार्य करने का दिया प्रशिक्षण

दुर्ग | मैदानी अमलों को सुरक्षा तकनीकों से अपडेट करने हेतु ''विद्युत सुरक्षा कार्यशाला'' का आयोजन बालोद संभाग में किया गया। मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर एवं सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता श्री डब्ल्यू. आर.वानखेड़े ने सुरक्षात्मक ढंग से कार्य करने हेतु अपना मार्गदर्शन दिया। इसमें सर्वश्री एचके मेश्राम, सलिल कुमार खरे, टीएल सहारे उपस्थित थे।

श्रमिक दिवस पर बताए अधिकार एवं कर्तव्य

मड़वा | राष्ट्र का उत्थान तभी होगा जब श्रमिक खुशहाल होगा। औद्योगिक शांति बनाए रखने के लिए सभी कामगारों के बीच आपसी तालमेल बनाए रखना चाहिए। यह बात अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने व्यक्त किए। एसीई श्री आलोक लकरा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के श्रमिक अधिनियमों में योगदान को याद करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इसमें पोस्टर एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इनमें चंद्रहास राठौर, रामनारायण राठौर, प्यारे लाल, प्रदीपकुमार, शिवम सिंह को अतिथियों के हाथों पुरस्कार दिया गया।

सात्विक पद्धति द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यशाला

बिलासपुर|क्षेत्रीय कार्यालय मुख्य अभियंता एवं प्रशिक्षण अनुसंधान एवं विकास संस्थान गुढियारी के संयुक्त तत्वाधन में दक्षता सुधार हेतु सात्विक पद्धति द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन 15 एवं 16 जून को तिफरा स्थित कल्याण भवन में किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एके धर ने किया। प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग प्रशिक्षक श्री सीताराम साहू ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अम्लपित्त, पेट से संबंधित रोग आदि के मूल कारण, उनके निरोधक उपाय तथा प्रबंधन हेतु आनापान ध्यान, आहार सुधार, प्राकृतिक चिकित्सा तथा आसन प्राणायाम के संबंध में जानकारी प्रदान की।

"लगातार नई चीजें सीखने से कार्यक्षमता में होती है वृद्धि"

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर पदस्थ श्री कांति कुमार महोबे का जन्म 04 नवंबर 1961 को मध्यप्रदेश के छिंदवाडा में हुआ। आपके पिता स्व. हरगोविन्द महोबे एवं माता श्रीमती नलिनी महोबे के सुसंस्कारों के साथ आप पले-बढ़ें। आपकी प्रारंभिक शिक्षा बिलासपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 1978 में हुई। वर्ष 1983 में आपने जबलपुर स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कालेज से बीई की उपाधि प्राप्त की।

मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में आपकी पहली पदस्थापना प्रशिक्षु के तौर पर 1985 में हुई। इस दौरान आपने टोन्स हाईडल प्रोजेक्ट सिरमौर (रींवा) में कार्य किया। आपको सहायक अभियंता के पद पर नियमित करते हुए 1986 में बिरसिंहपुर (शहडोल) स्थित थर्मल पावर स्टेशन में नियुक्त किया गया। वर्ष 1997 में आपको भिलाई स्थित 400 केव्ही सब-स्टेशन खेदामारा मे पदस्थ किया गया। वर्ष 1998 में आपको पुनः बिरसिंहपुर स्थित थर्मल पावर स्टेशन में नियुक्त किया गया। वर्ष 2001 में आपको कार्यालय, कार्यपालक निदेशक सिविल रायपुर में कुछ समय के लिए पदस्थ किया गया। आपको प्रथम पदोन्नति वर्ष 2001 में प्रदान की गई और आपकी पदस्थापना सिविल संभाग कोरबा पश्चिम में की गई। आपने वहाँ सात साल सेवाए दीं। इस दौरान सीएसईबी (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल) में राखड़ उपयोगिता का कार्य प्रथम बार प्रारंभ किया गया जिसके लिए राज्य पर्यावरण मंडल से अनुमोदन के पश्चात् आपको सीएसईबी अध्यक्ष व्दारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात् आपको ट्रांसमिशन के सिविल संभाग बिलासपुर में पदस्थ किया गया। इसके पश्चात् वर्ष 2019 में व्दितीय पदोन्नति प्रदान करते हुए अधीक्षण अभियंता (सिविल) ट्रांसमिशन बिलासपुर का दायित्व सौपा गया। वर्ष 2021 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई और ट्रांसमिशन कंपनी के बिलासपुर सिविल कार्यालय में पदस्थ किया गया। इस दौरान अरपा नदी के किनारे स्थित 400 केव्ही लाइन का टावर नदी कटाव के कारण लटक गया था, जिसे त्वरित निर्णय लेते हुए हैवी जैक एवं स्टील प्लेट लगाकर 3-4 दिनों में अल्प समय में बचाने का

श्री के.के. महोबे
(मुख्य अभियन्ता)
AU & PC
CSPGCL

उल्लेखनीय कार्य किया। अगस्त 2022 में आपको कंपनी प्रबंधन ने मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर पदोन्नत किया और आपकी पदस्थापना जनरेशन कंपनी के मुख्य अभियंता (एयू एंड पीसी) कार्यालय में की। आपने अपनी सेवाअवधि के 38 वर्ष में से 36 वर्ष मैदानी कार्यालयों में बिताया। आपके सेवा अवधि में परिवार वालों का पूरा संबल प्राप्त हुआ। आपकी पत्नी श्रीमती ईरा महोबे टेक्सटाइल डिजाइनिंग में एमएससी हैं। सुपुत्री रीति महोबे लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली से हिस्ट्री में बीए ऑनर्स एवं (TISS) मुंबई से महिला केन्द्रीय सामाजिक विषय में एमए हैं। वर्तमान में भारतीय गुणवत्ता परिषद नई दिल्ली में डेवलपमेंट सेक्टर में एसोसियेट मैनेजर हैं। सुपुत्र राघव महोबे ने चेन्नई से मेकेनिकल में बीई तथा डिप्लोमा इन फाइनेंस एंड बिजनेस जर्नलिज्म किया है। वर्तमान में रॉयटर्स इंटरनेशनल न्यूज़ एंजेसी में संवाददाता है। आपको तकनीकी विषयों में लेखन की गहरी रूचि है। आपका मानना है कि युवा अभियंता की दक्षता बढ़ाने के लिए कार्य के तकनीकी पहलुओं, गुणवत्ता नियंत्रण सर्वेक्षण कार्य के साथ अन्य विभागों से समन्वय की संपूर्ण ट्रेनिंग दी जानी चाहिए क्योंकि लगातार नई चीजें सीखने से कार्यक्षमता में वृद्धि होती है और बेहतर कार्यशैली का निर्माण होता है।

उल्लेखनीय कार्य-

1. 1998-2000 के दौरान ताप विद्युत गृह की यूनिट क्रमांक 3 व 4 के विद्युत गृह भवन का निर्माण कार्य समय से पूर्ण किया।

2. 2003 में हसदेव ताप विद्युत गृह के 840 मेगावाट संयंत्र मे पदस्थापना के दौरान राखड़ बांध में जल एवं वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं कार्य छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल में राखड उपयोगिता का कार्य प्रथम बार प्रारंभ किया गया। जिसके लिए राज्य पर्यावरण मंडल से अनुमोदन के पश्चात् पावर कंपनी ने राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया।

3. 2022-23 में मुख्य अभियंता एयू एंड पीसी पदस्थापना के दौरान सभी संयंत्रों में राखड़ का 86 प्रतिशत उपयोग हुआ।

4. ट्रांसमिशन कंपनी में पदस्थापना के दौरान 2013-14 में 220 केव्ही के दो सब-स्टेशन एवं 132 केव्ही के तीन सब-स्टेशन के सिविल कार्य पूरा होने पर ऊर्जीकृत किया गया।

हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए किया जागरुक

कोरबा पश्चिम| हसदेव ताप विद्युत गृह में नियोजित संयंत्र कर्मियों एवं ठेका श्रमिकों को बढ़ते तापमान एवं जटिल कार्य दशाओं की वजह से अमूमन हीट स्ट्रेस एवं हीट स्ट्रोक जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस हेतु कर्मियों को जागरुक एवं प्रशिक्षित करने संरक्षा विभाग, ने विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी अनुक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा संयंत्र के सुरक्षा, अग्निशमन, स्क्रैप यार्ड, बॉयलर सुधार एवं ऐश हैंडलिंग इत्यादि विभागों में कार्यरत कर्मियों को लू के लक्षण एवं उनसे बचाव के संबंध में बताया गया। साथ ही बैनरों के माध्यम से भी कर्मचारियों को जागरूक किया गया। कर्मियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया गया ।

सूचना के अधिकार पर हुई कार्यशाला

बिलासपुर| सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय पर जनसूचना अधिकारियों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय मुख्यालय तिफरा के सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एके धर ने किया। प्रशिक्षक श्री शशिकांत राठौर ने सूचना के अधिकार की आवश्यकता, सरकारों और उनके तंत्रों को शासितों के प्रति जवाबदेही तथा आरटीआई अधिनियम के महत्वपूर्ण धाराओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर श्री पी.के.कश्यप, अधीक्षण अभियंता श्री जी.पी.सोनवानी, श्री पी.के.कोमेजवार, श्री बी.पी.जायसवाल उपस्थिति थे। इसमें क्षेत्रीय कार्यालय के अलावा कोरबा, मुंगेली, पेंड्रारोड संभाग के अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये भी जुड़े।

आदर्शिनी महिला मंडल का परिवार मिलन समारोह

रायपुर |छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की आदर्शिनी महिला मंडल ने परिवार मिलन समारोह का आयोजन 6 मई को किया। सौभाग्य तिलक एंब्रोशिया में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार एवं श्रीमती प्रभा कटियार थीं। उन्होंने दीप-प्रज्जवलित करके समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। प्रबंध निदेशक ने महिला मंडल की समाजसेवा के कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें इस तरह के आयोजन करते रहने का संदेश दिया। इस आयोजन में सत्र 2022-23 में हुई गतिविधियों पर चर्चा की गई। इसमें सभी सदस्यों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन के साथ ही महिला मंडल का आगामी जुलाई से नया सत्र आरंभ होगा। समारोह में महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी बिजौरा, सलाहकार श्रीमती अंजलि चंद्रा, श्रीमती आभा शुक्ला, सचिव श्रीमती सविता सचदेव, सहसचिव श्रीमती ममता मिश्रा, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरोजिनी दुबे, श्रीमती शिल्पा दुबे के साथ सभी ग्रुप लीडर एवं महिला मंडल के सभी सम्मानित सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

स्तुति महिला मंडल ने किया पौधरोपण

मड़वा | अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा की आवासीय परिसर पैरी विहार में स्तुति महिला मंडल (जूनियर क्लब) द्वारा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

विजयी प्रतिभागी धैर्य ठाकुर, हितेश पटेल, चारिता अजय और जायना चंद्राकर को महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रितु रेड्डी द्वारा पुरस्कार दिया गया। पर्यावरण दिवस पर महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा इरेक्टर हॉस्टल परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर श्रीमती हीना पाठक , श्रीमती स्नेहलता दवान्डे, श्रीमती सीमा देवांगन, श्रीमती अनुराधा खैरवार, श्रीमती निशा खुराना, श्रीमती सुनीता धुरव एवं श्रीमती गीतांजलि साहू उपस्थित रहीं।

महिला मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह में विभिन्न सामाजिक कार्य गतिविधियों एवं रिक्रिएशनल एक्टिविटीज के कुशल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु "संकल्प महिला मंडल" की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें श्रीमती प्रभा कटियार को प्रमुख संरक्षक बनाया गया है।

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष श्रीमती निहारिका शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती शर्मिष्ठा सिन्हा, श्रीमती रुकमणी सिंह, श्रीमती अभिलाषा गुप्ता, श्रीमती मिनती स्वेन को चुना गया है। साथ ही नवगठित कार्यकारिणी में सचिव श्रीमती विजया शाह, संयुक्त सचिव श्रीमती सरिता राठौर एवं श्रीमती स्मिता करकरे, कोषाध्यक्ष श्रीमती नीता अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती अपर्णा सेवलकर एवं श्रीमती संगीता जैन, खेल सचिव श्रीमती तृष्णा कर्महे एवं श्रीमती शिवकला कंवर को नियुक्त किया गया।

प्रबंध निदेशक ने दी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने अंतरक्षेत्रीय बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में रायपुर सेन्ट्रल कार्यालय के श्री राजेन्द्र कुमार दुरूगकर ने स्वर्ण पदक एवं पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में श्री सेमसन लाबान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री सीएल नेताम, केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद् के सचिव श्री हेमंत सचदेवा, श्री आनंद मोखरीवाले, बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता केमैनेजर नरेन्द्र देव पंकज, लखपति सिंदूर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मिशन लाइफ- पर्यावरण के अनुकूल दैनिक जीवन में बदलाव की ली हरित प्रतिज्ञा

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा पर्यावरण दिवस के लिए निर्धारित **मिशन-लाइफ** (लाइफ स्टाइल फॉर इन्वायरमेंट) के रुप में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में पर्यावरण संरक्षण का जनजागरुकता अभियान चलाया गया। 1 मई से 5 जून तक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के सभी संयंत्रों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के निर्देश पर इसका आयोजन किया गया। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर अधिकारी-कर्मचारियों ने हरित प्रतिज्ञा लेकर पर्यावरण को बचाने के लिए अपने दैनिक जीवन में बदलाव लाने तथा पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहार के महत्व के विषय में सबको प्रेरित करने का संकल्प लिया गया।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मड़वा। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में 12 मई से 5 जून तक 23 दिवसीय पर्यावरण जन जागरूकता अभियान चलाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा सहित संयंत्र के अधिकारियों ने पौधरोपण भी किया। बच्चों, गृहणियों एवं कर्मचारियों के बीच चित्रकला, नारा, निबंध एवं कविता लेखन स्पर्धा के साथ ही साइकिल रैली कराई गई। श्री बंजारा ने बच्चों द्वारा कैनवास पर उकेरे गए चित्रों को अवलोकन किया।

महिला मंडल ने विजेताओं को दिये पुरस्कार

कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह में संकल्प महिला मंडल द्वारा रवींद्र सांस्कृतिक भवन में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर श्रीमती प्रभा कटियार द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन अध्यक्ष श्रीमती निहारिका शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में मिशन लाइफ कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को संकल्प महिला मंडल द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसमें संयंत्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त हुआ।

मिशन लाइफ विषय पर बच्चों ने बनाई पेंटिंग

कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह में मिशन लाईफ कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मई दूसरे सप्ताह से 5 जून तक किया गया। इसमें हरित प्रतिज्ञा, साइकिल रैली, स्वच्छता अभियान, व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही माय लाइफ थीम पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी, पर्यावरण संरक्षण के विषय पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य अभियंता श्री संजय शर्मा ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

पेंटिंग बनाकर प्रदूषणमुक्त पर्यावरण का दिया संदेश

कोरबा पूर्व। डॉ. श्यामा प्रसाद ताप विद्युत गृह में पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'हरित प्रतिज्ञा' की शपथ ली गई। कालोनी परिसर में वृक्षारोपण व सीनियर क्लब में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने सेव इनवायरमेंट थीम पर पेंटिंग बनाकर प्रदूषणमुक्त पर्यावरण का संदेश दिया। पुरस्कार वितरण ईडी श्री बीडी बघेल, एसीई श्रीमती राजेश्वरी रावत एवं श्री संजीव कंसल ने किया।

कविता का कोना...

कैसे बचाऊं ?

विकृत इंसान का वायरस
कर गया परकाया प्रवेश कैसे बचाऊं ?

नदियों में घुल गया अस्पताल, संयंत्र का
अपशिष्ट अवशेष जलचर को कैसे बचाऊं ?

दौड़ते-हांफते साइकिल-पायडल मारता जाऊं
कि ई-गाड़ी चला जरा सा ओजोन परत बचाऊं।

बिनू बिखरे-छितरे प्लास्टिक बोतलों में ठूंसता जाऊं
कि वृहत मात्रा क्रशर कर मजबूत सड़क बनाऊं।

खाने पीने की पन्नियों से उफनते कर्क रोग के फफोलो पर
जूट, कपड़े-कागज थैलों का मरहम लगाऊं।।

और गांव-शहर की भीड़ से करवाऊं एकान्त व्रत,
जिसे पैदल यात्रा का फलाहार करवाऊं ।

अजय कुमार साहू
(निज सचिव) कार्यालय
कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) मड़वा

आदिपुरुष : नहीं हारा हूँ मैं

आधुनिकता के अविवेकी आदिपुरुषों से,
स्तब्ध हूं, खिन्न हूं, पर विवेक नहीं हारा हूं मैं..

विचारशून्य हूं, मौन मनस्क हूं, किंतु..
जीवन मे अपने, कोलाहल नहीं उतारा हूं मैं..

चतुराई की चौखट से दूर, कुछ भी खो कर या पा कर,
चादर से बाहर अपने, पांव नहीं पसारा हूं मैं..

अपने थाल की पहली रोटी अर्पित कर दूँ गौ माता को,
संस्कृति को इस मातृभूमि के, जीवन मे उतारा हूँ मैं..

गरिमा सारे मत-धर्म की, मथ कर सबको गौरव दे दे,
पुकार यही कर प्रकृति से, मांगा इतना सहारा हूँ मैं..

स्तब्ध हूं, खिन्न हूं, पर विवेक नहीं हारा हूं मैं..!!

संदीप कुमार अग्रवाल
कार्यालय सहायक श्रेणी-2,
विधि विभाग, डंगनिया,रायपुर

पैसा

जिन्दगी एक खेल है. हमसे हुआ इसका मैल है।
ये मैल भी कैसा है, मकसद सिर्फ पैसा है ।।

आज जहां भी देखो, बस पैसे का है बोलबाला।
गरीबो का शोषण करके, सब अपना भर रहे आला ।।

कलयुग में इसने ऐसे, अपने पैर जमाए ।
कि पैसे के आगे, सभी रिश्ते हो गये पराये ।।

जीने का दम आज कल, वही भरता है।
जो जिन्दगी भर बस,पैसे पे मरता है।

जेब में है गर पैसा, तो हर आदमी तुझसे दोस्ती करेगा।
वरना तू भी दुनिया में, आवारा मारा-मारा फिरेगा ।।

आदमी खत्म होते है,नही खत्म होता ये पैसा ।
तू पैसे के पीछे मत भाग, रहेगा हमेशा ही ये ऐसा ।।

विजय मोंगरे,परि श्रेणी-एक (ला.)
कार्यालय कार्यपालन अभियंता (भण्डार)
संभाग बिलासपुर

"नारी बनाम हिन्दी"

डी. गायत्री मनु प्रभाकर
W/o. डी. प्रभाकर पीए निज सहायक
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, भिलाई

' हिन्दी और नारी का
समाज में एक सा अस्तित्व है
नारी की तरह हिन्दी का भी
अपना ही सतीत्व है
आधुनिक युग में नारी को
पुरुष के साथ कंधा मिलाकर
चलने का हक मिला
पर पैरों में पाजेब की जगह
नियमों का पहरा मिला
उसी आधुनिकता का नियम
हिन्दी पर भी लागू हुआ
सरकारी कामकाज हिन्दी में किया जाये
ये आदेश हुआ
पर अंग्रेजियत छूट ना जायें
ये डर सभी पर हावी हुआ।
बात यहीं खत्म नही हुई
लोगों ने अंग्रेजी को अपने
ज्ञानी होने का प्रमाण-पत्र मान लिया
वार्तालाप के दौरान
हर दूसरा शब्द अंग्रेजी होता
पर ज्ञान का पिटारा तो तब खुलता
जब महोदय को फरमान जारी होता
कि अंग्रेजी में पत्र-व्यवहार किया जाये
उस दिन महोदय को पत्नी की
बेचारगी का अहसास हुआ
तो मित्रों हिन्दी हमारी मातृभाषा ही नहीं।
अस्मिता भी है।
आइये हमसब मिलकर
उसका सम्मान करें।

हमारे गौरव धैर्य ठाकुर जिले में प्रथम स्थान

मड़वा । अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री राकेश कुमार ठाकुर एवं श्रीमती देवश्री ठाकुर के सुपुत्र धैर्य (10 वर्ष) ने एकलव्य विद्यालय कक्षा 6वीं के लिए आयोजित वर्ष 2023 की परीक्षा में 81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है।
उनकी रूचि ड्राइंग, पेंटिंग, डांस एवं कुकिंग में है। मास्टर धैर्य ने वर्ष 2023 में आयोजित राष्ट्रीय सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आल इंडिया रैंक 41912 हासिल किया है।

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट

कुर्यात् सदा मंगलम्

विप्लव संग रानी

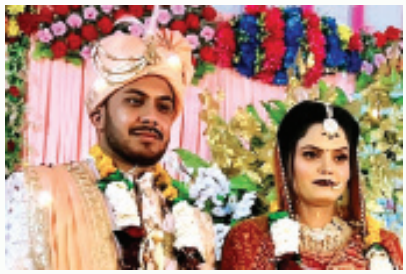

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री विनोद कुमार शुक्ला एवं श्रीमती ममता शुक्ला के सुपुत्र चि. विप्लव का विवाह आम्बेडकर नगर (उप्र) निवासी श्री हृदय नारायण उपाध्याय एवं श्रीमती सुमन उपाध्याय की सुपुत्री सौ.का. रानी के साथ 22 फरवरी को सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई.....

शशांक संग आकांक्षा

हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम के संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री अशोक कटकवार के सुपुत्र चि. शशांक का शुभविवाह नवागढ़ जिला जांजगीर-चांपा निवासी श्रीमती प्रेमबाई जलतारे की सुपुत्री सौ. कां. आकांक्षा के साथ 22 मई को सोल्लास संपन्न हुआ।
बधाई.....

श्रीकांत संग अनुराधा

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र में पदस्थ सहायक अभियंता चि. श्रीकांत सिंह ठाकुर का विवाह अंबिकापुर निवासी श्री बदन सिंह पैकरा की सुपुत्री सहायक अभियंता सौ. कां. अनुराधा के साथ 30 अप्रैल को सोल्लास संपन्न हुआ। अनुराधा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में कार्यरत हैं।
हार्दिक बधाई...

भागीरथी महोत्सव में प्रथम पुरस्कार मिला आशना दिल्लीवार को

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यपालन अभियंता के पद पर कार्यरत श्रीमति संध्या दिल्लीवार एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में निर्देशक श्री कमलेश कुमार दिल्लीवार की सुपुत्री आशना दिल्लीवार ने भागीरथी महोत्सव में कथक में प्रथम एवं छत्तीसगढ़ लोककला पर आधारित नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया हैं। भागीरथी महोत्सव उत्तराखंड हरिद्वार में कृष्ण प्रिया कथक केंद्र हरिद्वार के बैनर तले राष्ट्रीय स्तर पर जून 2023 में आयोजित किया गया, जिसमें देश भर के लगभग 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा वर्ष 2023 में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नर्तन रिदम महोत्सव, मधुगंजन कौशल महोत्सव एवं कलावंत महोत्सव में भी आशना ने कथक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं काठमांडू नेपाल में आयोजित 11 वें अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक ओलंपियाड ऑफ परफोमिंग आर्टस में कथक नृत्य जूनियर वर्ग में कांस्य पदक जीता। यह आयोजन यूनेस्को की साझेदारी में गलोबल काउंसेल ऑफ आर्ट एंड कल्चर द्वारा किया गया।

अतीशा देवांगन को मिला गोल्ड मैडल

मड़वा । अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री नरेंद्र कुमार देवांगन की सुपुत्री कु. अतीशा ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित '60वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' में अमरकोश कण्ठपाठ प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल के साथ प्रथम स्थान हासिल किया है। कु. अतीशा श्रीमद्दयानंद कन्या गुरूकुल महाविद्यालय चोटीपुरा अमरोहा (उप्र) की छात्रा हैं। अमरकोश संस्कृत भाषा का प्रमुख ग्रंथ है, जिसमें 1500 श्लोक हैं।

डॉ. ऋचा साव को मिला आऊटस्टैंडिंग अवार्ड

कांकेर । डॉ ऋचा साव को कटक में आयोजित दूसरे इंडियन राइस कांग्रेस-2023 में आऊटस्टैंडिंग पीएचडी थिसिसि अवार्ड प्रदान किया गया। वे डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यालय अधीक्षण अभियंता सर्किल कांकेर में पदस्थ श्री केके साव की सुपुत्री हैं। अवार्ड एसोसिएशन ऑफ राइस रिसर्च वर्कर्स (एआरआरडब्ल्यू) एवं राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (एमआरआरआई) ने प्रदान किया है। पीएचडी इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रायपुर से पूरी की है।

पीएचडी उपाधि मिली श्रीमती मुखोपाध्याय को

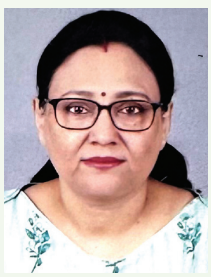

रायपुर । प्रबंध निदेशक (जनरेशन) कार्यालय में पदस्थ एसई श्री अतनु मुखोपाध्याय की पत्नी श्रीमती पापरी मुखोपाध्याय को अंग्रेजी साहित्य में मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर से पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलासफी) की उपाधि प्राप्त की है। श्रीमती मुखोपाध्याय कलिंगा विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने यह उपलब्धि मैट्स विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. रंजना दास सरखेल के मार्गदर्शन में प्राप्त की हैं। उनके पीएचडी का विषय ''ऑनलुकर ऑफ़ हिडन इशूज़ ऑफ़ सोसाइटी : सोसियोपॉलिटिकल एंड साइकोलॉजिकल आसपेक्ट्स इन दी सेलेक्ट वर्क्स ऑफ़ अरुंधती रॉय'' था।

पॉवर कंपनी की फायर सेफ्टी टीम ने कोरबा आगजनी में चलाया रिलीफ एवं रेसक्यू ऑपरेशन

कोरबा में 19 जून 2023 को एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में अचानक भीषण आग लग गई। इस भीषण आगज़नी में राहत व बचाव कार्य के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की सुरक्षा टीम तत्काल मौके पर पहुंची। हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम की अग्निशमन एवं सुरक्षा टीम के अधिकारी राहत व बचाव के लिए जुटे रहे। विभिन्न संस्थानों के फायर ब्रिगेड के साथ पॉवर कंपनी के अधिकारी–कर्मचारियों ने आग को काबू पाने में सफलता प्राप्त की।

पाठकों के पत्र...

संपादक जी ,

संकल्प पत्रिका का मैं प्रारंभ से नियमित पाठक रहा हूँ। इसका कव्हर पेज आकर्षक रहता है। साथ ही कंपनी की विभिन्न गतिविधियों का सचित्र समाचार रुचिकर होने के कारण पठनीय व संग्रहणीय होता है। पत्रिका में मेरी भी दो रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी है, इस महिने मेरी सेवानिवृत्ति है फिर भी कोशिश करूँगा कि बाद में भी यह पत्रिका कहीं से प्राप्त कर पढ़ सकूँ।

सुरेश कुमार सोनी,
अधीक्षण अभियंता (उत्पादन)
कोरबा पश्चिम

संकल्प की प्रति देख सकेंगे अब मोर बिजली कंपनी एप पर भी

संकल्प पत्रिका का स्थायी क्यूआर कोड

पाठकों,

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृहपत्रिका संकल्प प्राप्त करना अब और आसान हो गया है। केवल आपको क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करना होगा, इसके बाद आपको सीधे वेबसाइट का लिंक प्राप्त हो जाएगा, जहां से न केवल संकल्प की नवीनतम प्रति का पीडीएफ डाउनलोड किया जा सकेगा, बल्कि पुराने अंकों को भी डाउनलोड करके पढ़ा जा सकेगा। संकल्प की पीडीएफ प्रति www.cspc.co.in में अपलोड कर दी गई है। साथ ही कंपनी के कर्मियों के लिए बनाए गए मोर बिजली कंपनी के एप पर भी अपलोड किया जा रहा है। संकल्प को और बेहतर बनाने के लिए आप सभी पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

- संपादक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, डंगनिया, रायपुर
▪ फोन: 0771-2574702 ▪ E-mail: procsphcl@gmail.com